सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-14, अंक-325
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, मंगलवार 27 फरवरी 2024

आज का विचार

भारत की फ़ज़ाओं को सदा याद रहूँगा
आज़ाद था, आज़ाद हूँ, आज़ाद रहूँगा
-महान सेनानी चंद्रशेखर आजाद

स्वतंत्रता सेनानी अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद जी की पुण्यतिथि पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि।

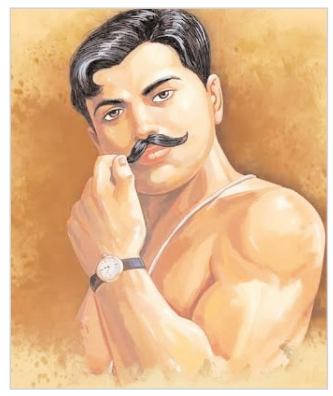

3 राज्यों में 15 राज्यसभा सीटों पर वोटिंग, 18 कैंडिडेट

यूपी में क्रॉस वोटिंग की आशंका के बीच सपा के चीफ व्हिप का इस्तीफा

राज्यसभा की 15 सीटों पर आज सुबह 9 बजे से वोटिंग शुरू हो गई है। 3 राज्यों उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में मतदान हो रहा है। शाम 5 बजे के बाद वोटों की गिनती शुरू हो जाएगी। रात तक नतीजे आने की उम्मीद है। उधर, वोटिंग के दौरान यूपी में सपा के चीफ व्हिप और विधायक मनोज कुमार पांडे ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया। नामांकन के आखिरी दिन (21 फरवरी) भाजपा ने उत्तर प्रदेश से 8वां प्रत्याशी संजय सिंह को उतार दिया था। इससे सपा का गणित बिगड़ सकता है। उत्तर प्रदेश की 10, कर्नाटक की 4 तो हिमाचल प्रदेश की एक सीट पर चुनाव हैं। तीनों ही राज्यों में क्रॉस वोटिंग की आशंका है। वजह है- 15 सीटों पर 18 कैंडिडेट मैदान में हैं। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के 8 विधायकों पर सस्पेंस है। 15 राज्यों में राज्यसभा की 56 सीटें खाली हैं, जिनमें से 12 राज्यों की 41 सीटों पर उम्मीदवार निर्विरोध चुन लिए गए हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव और सपा विधायक पल्लवी पटेल बीच बहसबाजी की खबरें आ रही हैं। हालांकि इस बारे में दोनों नेताओं की तरफ से कोई बयान नहीं दिया गया है। कल रात पल्लवी पटेल अखिलेश यादव की तरफ से होस्ट किए गए डिनर में नहीं पहुंची थीं।

संदेशखाली में नींद से जागी ममता सरकार

61 गरीबों की लौटाई गई जमीन

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में कई दिनों से जारी प्रदर्शन का असर अब दिखने लगा है. संदेशखाली को लेकर इतना बवाल मचा कि अब प्रशासन पूरी तरह से नींद से जाग चुका है और गरीबों को न्याय मिलना शुरू हो गया है. संदेशखाली में जबरन कब्जा की गई जमीन पर अब एक्शन हो रहा है और उसके असल मालिक को जमीन लौटाई जा रही है. अब तक संदेशखाली में 61 लोगों को जमीन लौटा दी गई है. दरअसल, पश्चिम बंगाल के उत्तरी 24 परगना जिले के अशांत संदेशखाली में बीते कुछ समय से टीएमसी नेता शाहजहां शेख और अन्य के खिलाफ प्रदर्शन जारी है. आरोप है कि शाहजहां शेख और उसके समर्थकों ने गरीबों की जमीनों पर कब्जा किया और महिलाओं का यौन उत्पीड़न किया. इसके बाद से ही संदेशखाली को लेकर संग्राम जारी है. सरकारी कैंप में जमीन पर कब्जा किए जाने की शिकायत मिलने के बाद से प्रशासन जांच में जुटा है. इसी जांच के क्रम में 61 लोगों को जमीन का मालिकाना हक लौटाया गया है. ये जमीनें 22 से 24 फरवरी के बीच वापस की गई हैं.

देश के सबसे बुजुर्ग सांसद शफीकुर्रहमान बर्क का निधन, निजी अस्पताल में ली आखिरी सांस

लखनऊ। सपा सांसद डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क का निधन हो गया है। वह लंबे समय से मुरादाबाद के निजी अस्पताल में भर्ती थे। सांसद के पोते जियाउर्रहमान बर्क ने बताया कि उनके 93 वर्षीय दादा की अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। इसके बाद उन्हें मुरादाबाद के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गय था। इसके बाद उनकी हालत में कुछ सुधार हुआ था। मंगलवार सुबह उन्हें आईसीयू में ले जाया गया। जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। चार बार विधायक और चार बार सांसद रह चुके डा. शफीकुर्रहमान बर्क 2019 में पांचवीं बार सांसद चुने गए। उम्र और अनुभव में वह मंडल के सबसे वरिष्ठ राजनेता रहे। अपने सियासी तेवरों के कारण उनकी अलग पहचान रही है।वह बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी के संयोजक रह चुके थे। मुस्लिमों के मुद्दों को उठाने और वंदेमातरम पर अपने बयानों को लेकर सियासत में चर्चित रहे डा. शफीकुर्रहमान बर्क एक बार फिर सपा की सियासत में बड़ा चेहरा बनकर उभरे। उनका सियासी सफर 60 वर्ष से ज्यादा का था। वह 1967 में संभल विधानसभा क्षेत्र से पहला विधानसभा चुनाव लड़े थे पर कामयाब नहीं हो सके थे। उन्हें राज्य विधानसभा के चुनाव में पहली कामयाबी 1974 में मिली थी। बीकेडी से विधायक चुने गए। इसके बाद 1977 में जनता पार्टी और 1985 में लोकदल, 1989 में जनता दल से विधायक बने।

इंग्लैंड पर जीत की हैट्रिक सीरीज पर कब्जा, घरेलू मैदान पर 17वीं जीत

रांची। टीम इंडिया ने चौथे टेस्ट मैच में इंग्लैंड को 5 विकेट से हराकर 5 मैचों की सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त ले ली है। यानी कि एक मैच बाकी रहते ही सीरीज पर कब्जा कर लिया है। यह घरेलू मैदानों पर भारत की पिछले 12 साल में लगातार 17वीं सीरीज जीत है। घर में लगातार सबसे ज्यादा सीरीज जीतने का रिकॉर्ड पहले से भारतीय टीम के नाम है। ऑस्ट्रेलिया अपने घर में लगातार 10 सीरीज जीतकर दूसरे नंबर पर है। भारत को आखिरी बार होम कंडीशन्स में किसी टेस्ट सीरीज में हार का सामना 2012 में करना पड़ा था। तब इंग्लैंड ने भारत को भारत में 2-1 से हराया था। उसके बाद से टीम इंडिया अपने घर में कोई भी सीरीज नहीं हारी है और लगातार 17 बार प्रतिद्वंद्वी टीम को ढेर किया है। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ घर में लगातार तीसरी सीरीज जीत हासिल की है। 2012 के बाद भारत ने इंग्लैंड को 2016-17 में 3-0 से, 2020-21 में 3-1 से हराया था और अब इस सीरीज में 3-1 की बढ़त ले ली है। इस दौरान भारत ने ऑस्ट्रेलिया को भी अपने घर में लगातार तीन बार मात दी है। वेस्टइंडीज, साउथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड, बांग्लादेश और श्रीलंका के खिलाफ लगातार 2-2 सीरीज में जीत मिली हैं। 1 सीरीज जीत अफगानिस्तान के खिलाफ मिली है।

घुसपैठ कर आए लश्कर के 3 आतंकी, 2 बच्चों सहित 7 की ले ली जान

मुंबई। राजौरी जिले के ढांगरी गांव में हुए आतंकी हमले की साजिश अब पूरी तरह से साफ हो चुकी है. इस आतंकी हमले की साजिश पाकिस्तान में बैठे लश्कर-ए-तैयबा के आकाओं ने रची थी. साजिश को अंजाम देने के लिए जम्मू और कश्मीर से कुछ नौजवानों को बरगलाकर पाकिस्तान ले जाया गया था, जहां उन्हें नफरत और आतंक की ट्रेनिंग देकर वापस जम्मू कश्मीर भेज दिया गया. पाकिस्तान से घुसपैठ कर आए इन आतंकियों को घाटी के अल्पसंख्यकों को खासतौर पर निशाना बनाने का हुक्म दिया गया था. यह खुलासा सोमवार को नेशनल इन्वेस्टिगेटिव एजेंसी (एनआईए) ने कोर्ट में दाखिल अपने आरोप पत्र में किया गया है. एनआईए के अनुसार, राजौरी आतंकी हमले को अंजाम देने के लिए पाकिस्तान से जिन तीन आतंकियों की घुसपैठ जम्मू और कश्मीर में कराई गई थी, उसमें अबुरकतल, सजीत जट्ट और कासिम का नाम भी शामिल है. अबुरकतल और सजीत जट्ट पाकिस्तानी नागरिक हैं, जबकि कासिम 2002 के आसपास पाकिस्तान में घुसपैठ कर गया था, जहां उसे आतंकवाद का प्रशिक्षण देकर आतंकवादी रैंक में शामिल किया गया था.

मानहानि केस में केजरीवाल को कोर्ट में बोलना पड़ा- गलती हो गई मुझसे

नई दिल्ली। भाजपा आईटी सेल से जुड़े मानहानि केस में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपनी गलती स्वीकार की है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि उन्हें कथित अपमानजक वीडियो को रीट्वीट करके गलती की। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट में इस केस की सुनवाई पर 11 मार्च तक रोक लगा दी है। केस को रद्द करने की याचिका हाई कोर्ट से खारिज हो जाने के बाद केजरीवाल ने सर्वोच्च अदालत का दरवाजा खटखटाया है। केजरीवाल की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक सिंघवी ने कहा, मैं इतना कह सकता हूं कि मैंने रिट्वीट करके गलती की। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली केजरीवाल की याचिका पर नोटिस जारी किए बिना ही शिकायतकर्ता से पूछा कि क्या वह मुख्यमंत्री की माफी के बाद इस मामले को बंद करना चाहते हैं। मामला 2018 का है। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने यूट्यूबर ध्रुव राठी का एक वीडियो सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स (तब ट्विटर) पर रीट्वीट किया था।

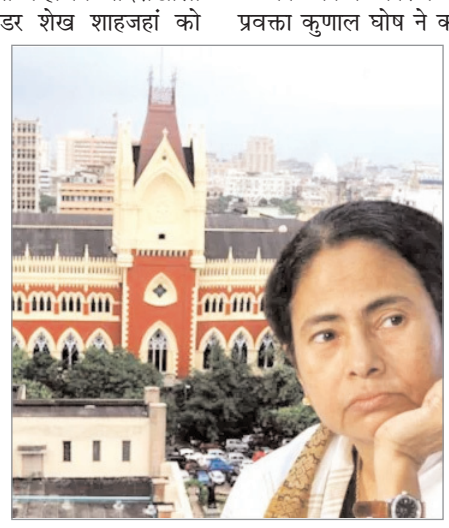

बेंगलुरु की सड़कों पर किताबें खरीदती दिखीं ब्रिटिश पीएम की पत्नी अक्षता मूर्ति

बेंगलुरु। इंफोसिस के संस्थापकों में से एक नारायण मूर्ति और उनका पूरा परिवार अपनी सादगी के लिए जाना जाता है। इस बात की झलक हाल ही में तब मिली, जब नारायणमूर्ति और उनका पत्नी सुधा मूर्ति और बेटी अक्षता मूर्ति बेंगलुरु की सड़कों पर आम लोगों की तरह किताबें खरीदते नजर आए। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है और लोग मूर्ति परिवार की सादगी की तारीफ कर रहे हैं। गौरतलब है कि अक्षता मूर्ति के पति ऋषि सुनक ब्रिटेन के पीएम हैं। इसके बावजूद अक्षता मूर्ति जब भी भारत में होती हैं तो आम लोगों की तरह, बिना किसी सुरक्षा और अन्य तामझाम के अपने माता-पिता के साथ बेंगलुरु में घूमते देखी जाती हैं। एक सोशल मीडिया यूजर ने एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें अक्षता मूर्ति उनकी दोनों बेटियां, पिता नारायणमूर्ति और मां सुधा मूर्ति पैदल बेंगलुरु के राघवेंद्र मठ इलाके में सड़कों पर घूमते दिखाई दिए।

खींच दी पानी पर लकीर

आखिर भारत ने रोका पाकिस्तान जा रहा रावी का जल

नई दिल्ली। पंजाब की 5 बड़ी नदियों में से एक रावी का जल अब पूरी तरह से भारत में ही इस्तेमाल हो सकेगा। अब भारत ने पठानकोट जिले में रावी नदी पर शाहपुर कंडी बैराज डैम बनाकर उसके पानी को संचित करना शुरू कर दिया है। इसके साथ ही रावी का पानी अब भारत के पंजाब एवं जम्मू-कश्मीर राज्यों के ही काम आएगा और इसका पाकिस्तान की ओर फ्लो खत्म होगा। यही नहीं पाकिस्तान इसे लेकर कोई ऐतराज भी नहीं कर सकता क्योंकि सिंधु जल समझौते के तहत ब्यास, सतलुज एवं रावी नदियों के पानी का पूरी तरह इस्तेमाल करने का अधिकार भारत के पास है।

यह समझौता वर्ल्ड बैंक की निगरानी में दोनों देशों के बीच 1960 में हुआ था। वहीं पाकिस्तान के पास सिंधु, झेलम और चेनाब नदियों के जल को इस्तेमाल करने का अधिकार है। शाहपुर कंडी बैराज पर काम जम्मू-कश्मीर एवं पंजाब के बीच मतभेदों के चलते अटका हुआ था। इससे रावी के जल का बड़ा हिस्सा पाकिस्तान बह जा रहा था। 1979 में पंजाब एवं जम्मू-कश्मीर की सरकारों के बीच करार हुआ था, जिसमें ऊपरी हिस्से में रणजीत सागर डैम और निचले क्षेत्र में शाहपुर कंडी बैराज बनाने का फैसला हुआ था। ऐसा इसलिए हुआ था ताकि पानी के फ्लो को पाकिस्तान जाने से रोका जा सके। इसे लेकर तत्कालीन जम्मू-कश्मीर सीएम शेख अब्दुल्ला और पंजाब के प्रकाश सिंह बादल की सरकार के बीच करार हुआ था। इसके बाद 1982 में पूर्व पीएम इंदिरा गांधी ने इसकी आधारशिला रखी थी और 1998 तक काम पूरा होना था। लेकिन यह अटका ही रहा और अब जाकर पूरा हो सका है। रणजीत सागर डैम तो 2001 में ही बन गया था। लेकिन शाहपुर कंडी बैराज न बन पाने के चलते रावी के जल का बड़ा हिस्सा पाकिस्तान की ओर बह जाता था। फिर 2008 में शाहपुर कंडी प्रोजेक्ट को राष्ट्रीय महत्व वाला घोषित हुआ, लेकिन काम 2013 में ही शुरू हो पाया था।

ममता सरकार को हाईकोर्ट ने फिर फटकारा

टीएमसी लीडर शेख शाहजहां को किया जाए गिरफ्तार

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने सोमवार को ममता बनर्जी सरकार से कहा कि संदेशखाली केस में टीएमसी लीडर शेख शाहजहां को गिरफ्तार किया जाए। हाईकोर्ट में एक वकील ने याचिका लगाई थी कि कई लोग संदेशखाली जा रहे हैं। कुछ को गिरफ्तार किया जा रहा है, तो कुछ को मालाएं पहनाई जा रही हैं। वकील ने अपील की कि हाईकोर्ट संदेशखाली की जांच के लिए एक स्वतंत्र कमेटी गठित करे। कोर्ट ने कहा- हम ऐसा करेंगे, लेकिन हम चाहते हैं कि राज्य सरकार, पुलिस, सीबीआई और ईडी कोर्ट में मौजूद रहे। साथ ही अब तक फरार चल रहा जिला परिषद अध्यक्ष शेख शाहजहां भी। हमने पढ़ा कि उसने एंटीसिपेटरी बेल के लिए एप्लिकेशन दी थी, जिसे खारिज कर दिया गया। कोर्ट ने पुलिस को फटकारते हुए कहा- 4 साल पुराना मामला है। एफआईआर को चार्जशीट में तब्दील होने में 4 साल लग गए?

कोर्ट की फटकार के कुछ घंटे बाद टीएमसी प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा कि शाहजहां शेख को 7 दिन के अंदर अरेस्ट कर लिया जाएगा। संदेशखाली में टीएमसी नेता शेख और उसके 2 साथियों शिबू हाजरा और उत्तम सरदार पर महिलाओं के साथ गैंगरेप का आरोप है। पुलिस ने अब तक शिबू हाजरा और उत्तम सरदार समेत 18 लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि शाहजहां अब तक फरार है। शाहजहां शेख टीएमसी का डिस्ट्रिक्ट लेवल का नेता है। राशन घोटाले में ईडी ने 5 जनवरी को उसके घर पर रेड की थी। तब शाहजहां के 200 से ज्यादा सपोर्टर्स ने टीम पर अटैक कर दिया। अफसरों को जान बचाकर भागना पड़ा था। तभी से शाहजहां शेख फरार है। हालांकि संदेशखाली के लोगों का कहना है कि वो कहीं नहीं गया, यहीं है।

हरियाणा में इनेलो नेता की हत्या की जांच सीबीआई करेगी

चंडीगढ़। हरियाणा में इंडियन नेशनल लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष नफे सिंह राठी की हत्या की जांच सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन यानी सीबीआई को सौंप दी गई है। सोमवार को हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र में कांग्रेस ने सरकार से हाईकोर्ट के जज या सीबीआई से जांच कराने की मांग की थी। इस पर गृहमंत्री ने अनिल विज ने जवाब दिया कि हम सीबीआई जांच कराने को तैयार हैं। इसके बाद परिवार अंतिम संस्कार के लिए तैयार हुआ। हालांकि परिवार ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस को 7 दिन का टाइम भी दिया है। नफे सिंह राठी के हत्या से पहले का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इसमें बदमाश सफेद रंग की कार में दिख रहे हैं। ड्राइवर के बगल वाली सीट पर बैठा हमलावर फोन पर बात करता हुआ दिखाई दे रहा है। राठी की रविवार, 25 फरवरी की शाम को हत्या कर दी गई थी। राठी बहादुरगढ़ के पास बराही रेलवे फाटक बंद होने की वजह से रुके थे।

भेदभाव: बेंगलुरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के सिक्योरिटी सुपरवाइजर का कारनामा

स्टाफ ने गंदे कपड़े पहने किसान को मेट्रो में जाने से रोका

__बेंगलुरु।__ बेंगलुरु मेट्रो स्टेशन का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें दिख रहा है कि राजाजीनगर मेट्रो स्टेशन के स्टाफ ने एक किसान को मेट्रो में चढ़ने से इसलिए रोक दिया, क्योंकि उसके कपड़े गंदे थे। वीडियो में नजर आ रहा है कि एक वृद्ध किसान बैग चेकिंग पॉइंट पर खड़ा हुआ है। उसके सिर पर सामान का एक बोरा रखा हुआ है। जिस समय किसान को रोका जा रहा था, तब वहां खड़े एक पैसेंजर ने अफसर से पूछा- क्या मेट्रो में चलने का कोई ड्रेस कोड है? पैसेंजर ने ही घटना के वीडियो को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। वीडियो की जांच के बाद बेंगलुरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने किसान को रोकने वाले सिक्योरिटी सुपरवाइजर को टर्मिनेट कर दिया है।

किस आधार पर रोका जा रहा?

कार्तिक सी ऐरानी नाम के शख्स ने मेट्रो के सिक्योरिटी सुपरवाइजर से कहा कि वह व्यक्ति एक किसान है और उसके पास मेट्रो से यात्रा करने के लिए टिकट है। उसके बैग में कोई ऐसा सामान नहीं है, जिसे मेट्रो में ले जाना प्रतिबंधित हो। उसके पास केवल कपड़े हैं। किस आधार पर उसे मेट्रो में सफर करने से रोका जा रहा है? कार्तिक अफसरों से कहते हैं कि मुझे ऐसा नियम दिखाएं जो मेट्रो के यात्रियों के लिए एक ड्रेस कोड अनिवार्य करता हो। यह पब्लिक ट्रांसपोर्ट है।

क्या कोई ड्रेस कोड है?

किसान को जब मेट्रो में जाने से रोका जा रहा था, तब वहां कार्तिक सी ऐरानी नाम के एक व्यक्ति भी मौजूद थे। वीडियो उन्होंने ही बनाकर पोस्ट किया। वीडियो में उनकी आवाज सुनाई दे रही है। वे किसान को मेट्रो में एंट्री से रोकने का विरोध कर रहे हैं। कार्तिक मेट्रो सिक्योरिटी सुपरवाइजर से किसान को रोके जाने का कारण पूछ रहे हैं। वे अधिकारी से कहते हैं कि मेट्रो में सफर करने के लिए क्या कोई ड्रेस कोड है।

सावधान जाहिर सूचना

ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र खसरा न. 72 वा अन्य खसरो कृषि भूमि के सम्बन्ध मे।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र मे स्थित कृषि भूमि विजय पिता राम भरोसे तिवारी से छल कर फरेब से सोची समझी चाल चल कर जिसका खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो को लिख कर 8 विक्रय पत्रो के लिए कूटरचित भाषा लिख कर दस्तावेज तयार कर वा फर्जी चेको को दे कर जालसाजी और 420 से विक्रय पत्रों का पंजीयन करवाया गया है इन सभी के नाम इस प्रकार है सुमित प्रकाश पाटनी पिता मणिक चन्द पाटनी, अरुणा पाटनी पति सुमित प्रकाश पाटनी,अनिल कुमार पंवार पिता मोहन सिंह पंवार, राहुल जैन पिता राकेश जैन, आनंद कसेरा पिता लक्ष्मणदास कसेरा राकेश जैन पिता स्व.नवीन चन्द जैन,पार्वती जैन पति बक्षीराम जैन, पवन जैन पिता बक्षीराम जैन इन सभी के खिलाफ पुलिस में जांच चल रही है कोर्ट में केस पेंडिंग है अत- कृषि भूमि खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो का सौदा किया गया था जिसका भुगतान राशि चेको के माध्यम से की गई थी पर चैक अनादरण होने से सौदा 2018 में निरस्त किया जा चुका है जिसकी सूचना पेपर विग्यप्ति के माध्यम से पहले ही सूचना दी जा चुकी है अत- इन सभी विक्रय पत्रो के संदर्भ मे किसी भी व्यक्ति, संस्था या बैंक आदि से कर्ज हेतू प्राप्त करता है या इन रजिस्ट्री के माध्यम से विक्रये करता है तो इस की जवाब देयी किसान भूमि मालिक की नही होगी
अत : होने पर पुलिस कार्रवाई की जाएगी।

सिंगल कॉलम

इंदौर में आज से लगना शुरू होगी जापानी बुखार की वैक्सीन

बच्चों के स्वास्थ्य के क्षेत्र में स्वास्थ विभाग एक और नई इबारत लिखने जा रहा है।जापानी बुखार से बच्चों को बचाने के लिए 27 फरवरी से टीकाकरण सारणी में एक और नया टीका जुड़ रहा है, वह है जे.ई. (जापानी एन्सेफलाइटिस)। इस टीकाकरण का शुभारंभ कार्यक्रम पीसी सेठी चिकित्सालय में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद शंकर लालवानी रहेंगे। कार्यक्रम के अध्यक्षता महापौर पुष्यमित्र भार्गव करेंगे।नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर ढ्ढठ्ठस्त्रश्वह्द्ग ह्द्ग2ह्य। बच्चों के स्वास्थ्य के क्षेत्र में स्वास्थ विभाग एक और नई इबारत लिखने जा रहा है।जापानी बुखार से बच्चों को बचाने के लिए 27 फरवरी से टीकाकरण सारणी में एक और नया टीका जुड़ रहा है, वह है जे.ई. (जापानी एन्सेफलाइटिस)। इस टीकाकरण का शुभारंभ कार्यक्रम पीसी सेठी चिकित्सालय में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद शंकर लालवानी रहेंगे। कार्यक्रम के अध्यक्षता महापौर पुष्यमित्र भार्गव करेंगे। यह अभियान इन्दौर सहित प्रदेश के चार जिलों में शुरू किया जाएगा, जिसमें इंदौर सहित भोपाल, सागर एवं नर्मदापुरम सम्मिलित है। इसके पूर्व विदिशा एवं रायसेन जिले में यह अभियान चलाया जा चुका है। जहां अब नियमित टीकाकरण में भी यह टीका दिया जाने लगा है। जापानी बुखार के सर्वाधिक प्रकरण उत्तर प्रदेश से सामने आए हैं। मध्य प्रदेश में भी जापानी बुखार के प्रकरण रिपोर्ट किए जा चुके हैं। अभियान के अंतर्गत यह टीका 01 से 15 साल के आयु वर्ग के बच्चों को लगाया जाएगा। क्या है लक्षण जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है कि यह जापानी दिमागी बुखार है, इससे संक्रमित होने पर बच्चे को झटके आते हैं, बेहोशी होती है और अत्यंत गंभीर स्थिति में मृत्यु भी हो सकती है। इस वायरल बीमारी से बचने का सबसे सुरक्षित उपाय टीकाकरण है। प्रारंभ में सभी टीकाकरण केन्द्रों पर सामुदायिक स्तर पर टीकाकरण किया जाएगा और फिर नियमित टीकाकरण सारणी में यह टीका जुड़ जाएगा। इसके साथ ही पहले टीकाकरण के माध्यम से बच्चों को 11 बीमारियों से सुरक्षा मिलती थी, जो अब बढ़कर 12 बीमारियों से सुरक्षा मिलेगी। सभी परिजनों से यह अपील है गई कि वे अपने 01 से 15 साल के बच्चों को इस बीमारी से सुरक्षित रखने के लिए जे.ई. का टीका अवश्य लगवाएं।

इंदौर को संवार रहे ये स्वैच्छिक किरदार

बेहतर समाज की स्थापना तभी की जा सकती है, जब शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार और पर्यावरण... ये चार स्तंभ मजबूत हों। इन्हें मजबूत करने के लिए सरकारी तंत्र तो प्रयास कर ही रहा है, लेकिन शहर की स्वयंसेवी संस्थाएं (एनजीओ) भी नफा-नुकसान की परवाह किए बगैर इन पर काम कर रही हैं। कुछ संस्थाएं ऐसी हैं, जो शहर व आसपास के क्षेत्रों में लोगों को बेहतर जीवन देने के प्रयास कर रही हैं। इसी के चलते वे जरूरतमंदों को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार का लाभ दिला रही हैं, ताकि वे अपने जीवन को बेहतर बना सकें।समाज शिक्षित होगा, तो विकास की राह पर चलेगा व देश का सम्मान बढ़ेगा। इसके अलावा पर्यावरण भी जीवन का एक अहम हिस्सा है। इसके बगैर जीवन की मुमकिन नहीं है। इसके लिए भी शहर की संस्थाएं पुरजोर ढंग से जुटी हुई हैं। आज विश्व एनजीओ दिवस पर नईदुनिया सिटी ने ऐसी ही कुछ संस्थाओं के कामकाज को टटोला। आइए जानते हैं आखिर कैसे ये बना रहे हैं शहर को स्वस्थ, सुरक्षित और शिक्षित। शिक्षित भारत का संकल्प श्रमिक बस्तियों में बस्ती फाउंडेशन संस्था शिक्षा की अलख जगा रही है और विद्यार्थियों का जीवन संवार रहे हैं। संस्था के संस्थापक वृजेश गांधी ने बताया कि इंदौर में करीब 40 से 50 श्रमिक क्षेत्र हैं, जहां बड़ी संख्या में मजदूरों के बच्चे रहते हैं। यहां ज्यादातर घरों के सभी लोग काम पर जाते हैं। इससे छोटे बच्चे स्कूलों में पढ़ने के लिए नहीं जा पाते। इनके लिए संस्था ने लसूड़िया, निरंजनपुर, कृष्णबाग, शिवदर्शन नगर, भील कालोनी, मूसाखेड़ी और रविदासनगर में बस्ती शिक्षा केंद्र बनाएं हैं, ताकि बच्चों को बस्तियों में ही निश्शुल्क शुरुआती शिक्षा मिल सके।

बाग, टांडा, तिरला, कालीदेवी क्षेत्र में पुलिस दे रही दबिश

लंदन विलाज टाउनशिप में डकैती के मामले में पुलिस चिह्नित गिरोह की तलाश कर रही है। इसके लिए पुलिस बाग, टांडा, तिरला, कालीदेवी थाना क्षेत्रों में लगातार दबिश दे रही है। पुलिस को बदमाशों के गुजरात भागने का अंदेशा है। पुलिस जिन गांवों में दबिश दे रही है, वहां के लोगों से भी पूछताछ में कुछ पता नहीं चल पा रहा है। सीसीटीवी फुटेज से पुलिस को अहम सुराग मिला था। डकैतों की चाल देख और भाषा सुनकर मुखबिर ने आरोपित सोमला (बड़ी कदवाल) की पहचान की थी। पुलिस शनिवार देर रात ही सोमला के घर छापा मारने पहुंची थी। बदमाशों के बारे में जानकारी नहीं मिलने का कारण पुलिस द्वारा पहाड़ी इलाका होना बताया जा रहा है।जानकारी अनुसार पुलिस आरोपितों की तलाश में सुबह से देर रात तक जुटी हुई है। पुलिस ने आरोपितों के परिवारवालों को भी हिरासत में ले लिया है और उनसे भी सख्ती से पूछताछ कर रही है। अभी तक उन्होंने भी कोई जानकारी पुलिस को नहीं दी है। परिवार में माता-पिता, भाई-बहन सभी से पुलिस पूछताछ कर रही है। बड़ी कदवाल क्षेत्र में भी पुलिस ने आरोपितों के अन्य रिश्तेदारों के यहां छापे मारे हैं।

इंदौर क्लाथ मार्केट चुनाव, पांच पदों के लिए आज दोपहर एक बजे से मतदान

सिटी चीफ इन्दौर

महाराजा तुकोजीराव होलकर क्लाथ मार्केट मर्चेंट एसोसिएशन के पदाधिकारियों के लिए चुनाव आज होगा। दोपहर एक बजे से बाजार में बने कमेटी हाल में मतदान होगा। शाम पांच बजे तक मतदान का सिलसिला चलेगा। पांच पदों के लिए वोट डालना है। इनमें उपाध्यक्ष, मंत्री, कोषाध्यक्ष व संयुक्त मंत्री का पद शामिल है। अध्यक्ष पद पर फिर से हंजराज जैन का नाम निर्विरोध तय हो गया है। पांच पदाधिकारियों के लिए दस उम्मीदवार मैदान में है।दोपहर एक बजे से शुरू होने वाले मतदान में एसोसिएशन के सदस्य 850 व्यापारी वोट डालेंगे। शहर के सबसे धनी व्यापारी संगठन में अब उपाध्यक्ष पद के लिए दो उम्मीदवारों मुकेश टोंग्या और रजनीश चौरड़िया में मुकाबला होगा। मंत्री पद के लिए मौजूदा मंत्री कैलाश मूंगड़ और निर्मल सेठी मैदान में है। संयुक्त मंत्री के दो पद हैं और चार उम्मीदवारों ने फार्म दाखिल किया है। इनमें अरुण बाकलीवाल, गिरीश काबरा, हेमंत बोहरा, मनोज नीमा शामिल है। कोषाध्यक्ष के पद के लिए भी दो उम्मीदवार चंद्रप्रकाश गंगवाल और शिवकुमार जगवानी मैदान में है।संयुक्त मंत्री के दो पद है। चार उम्मीदवार मैदान में है। सदस्यों को दो वोट डालना है यानी अन्य पदों के लिए एक-एक सदस्य को चुनना होगा लेकिन संयुक्त मंत्री के लिए चार में से दो को चुनना होगा। इससे पहले 21 सदस्यीय कार्यकारिणी को चुनने के लिए 6 फरवरी को ये सदस्य मतदान कर चुके हैं। उसी 21 सदस्यीय कार्यकारिणी में से ही अब पदाधिकारियों के लिए चुनाव होगा। आम सहमति नहीं बनने के चलते चुनाव का यह दूसरा दौर आयोजित हो रहा है। उल्लेखनीय है कि क्लाथ मार्केट ट्रस्ट शहर में स्कूल, कालेज, नर्सिंग कालेज, अस्पताल, गौशाला का संचालन भी करता है।

शेयर मार्केट से पूंजी जुटाने में छोटी कंपनियों की बड़ी दौड़, मेघनगर की कंपनी का आया आइपीओ

सिटी चीफ इन्दौर

छोटी-मध्यम कंपनियां अब बैंकों के कर्ज के बजाय शेयर मार्केट के सहारे जनता से पूंजी जुटाना पसंद कर रही हैं। झाबुआ जिले के मेघनगर जैसे छोटे कस्बे में प्लांट चलाने वाली रतलाम की कंपनी ओवैस मेटल एंड मिनरल प्रोसेसिंग लिमिटेड (ओएमएमपीएल) का आइपीओ सोमवार को जारी हो गया। छोटे शहरों-कस्बों की छोटी-मध्यम कंपनियों के आइपीओ लाने का ट्रेंड नया चलन बनकर सामने आया है। इससे पहले क्षेत्र के अस्पताल से लेकर कुछ छोटे-मध्यम उद्यमी आइपीओ ला चुके हैं। छोटी-छोटी कंपनियों के आइपीओ और उनका रिकार्ड तोड़ सब्सक्रिप्शन विश्लेषकों को भी हैरान भी कर रहा है।धातु और चारकोल निर्माण में काम करने वाली रतलाम की कंपनी ओवैस मेटल का वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान टर्न ओवर 39.73 करोड़ रुपये का रहा। कंपनी बाजार से 42.69 करोड़ रुपये जुटाने के लिए आइपीओ लेकर आई है। यह अनोखा मामला नहीं है। एसएमई एक्सचेंज पर इस वित्त वर्ष के खत्म होने यानी मार्च अंत तक 30 से 35 छोटी-मध्यम कंपनियों के आइपीओ आने के संकेत हैं। लाइन में लगी ये कंपनियां बाजार से करीब 1200 से 1500 करोड़ रुपये जुटाना चाह रही है। बाजार के विश्लेषकों के अनुसार इस साल यह चलन रहा है कि हर सप्ताह औसतन दो आइपीओ बाजार में जारी हुए। ऐसी छोटी-मध्यम 12 कंपनियां तो इसी साल बाजार से 1133 करोड़ रुपये अर्जित कर चुकी हैं, जिनका आकार काफी छोटा था। आइपीओ का नशा कोविड संकट के दौरान देश में शेयर मार्केट में निवेश का चलन तेजी से बढ़ा। लाखों डीमेट खाते इसी दौरान खुले।

लोगों ने मदद के लिए दिए करोड़ों रुपये, अफसर खर्च नहीं कर पाए

सिटी चीफ इन्दौर

आंगनबाड़ियों की बेहतरी और बच्चों के मनोरंजन साधन बढ़ाने के लिए दो साल पहले प्रदेश में आंगनबाड़ी गोद लें अभियान शुरू हुआ था। इस अभियान के दौरान इंदौर में दानदाताओं ने करीब 6.50 करोड़ रुपये का दान दिया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा इस राशि में से करीब 3 करोड़ 90 लाख रुपये खर्च किए जा चुके हैं। करीब 2 करोड़ 60 लाख रुपये का दो वर्षों से उपयोग नहीं किया गया है। जिले में ही कई आंगनबाड़ियां खस्ताहाल हैं। अफसरों की मानें तो दान में मिली शेष राशि को लेकर कार्ययोजना बनाई जा रही है, जिसमें जिले की 100 आंगनबाड़ियों को स्मार्ट किया जाएगा।31 मई 2022 को तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने इंदौर के लोधीपुरा इलाके में आंगनबाड़ियों को गोद लेने की अपील करते हुए बच्चों के लिए खिलौने, किताबें, अनाज और नकद दान के रूप में जनता से समर्थन मांगा था। इसके बाद सार्वजनिक दान के रूप में करीब 6.5 करोड़ मिले थे। काफी समय तक यह राशि रेडक्रास में रही। इसके बाद विभाग को मिली। विभाग ने आलीराजपुर और झाबुआ जिले की आंगनबाड़ियों के लिए 1 करोड़ 20 लाख रुपये जारी किए। इसके बाद जिन आंगनबाड़ियों की हालत ठीक नहीं थी, वहां राशि खर्च की गई। वर्तमान में विभाग के पास करीब 2.60 करोड़ रुपये रखे हुए हैं, जिसका उपयोग नहीं हो रहा है। आंगनबाड़ियों की वास्तविक स्थिति जानकारी के अनुसार जिले में 1839 आंगनबाड़ियां हैं, जिसमें 3 लाख 75 हजार बच्चे आ रहे हैं। करीब 800 आंगनबाड़ी के पास खुद का भवन नहीं हैं। ये किराये के भवन में संचालित हो रही हैं। 50 से अधिक आंगनबाड़ी केंद्र के भवन जीर्ण-शीर्ण हो चुके हैं। 100 से अधिक आंगनबाड़ियों में आज तक बिजली कनेक्शन तक नहीं हुआ है। 300 आंगनबाड़ियों में हुए काम अफसरों के अनुसार 1 करोड़ 45 लाख रुपए सांसद आदर्श गांव गुलावट में 30 लाख रुपये की लागत से आंगनबाड़ी को मार्डन किया जा रहा है, वहीं जिले की 300 अलग-अलग आंगनबाड़ियों में फर्नीचर, खिलौने, ब्लेक बोर्ड, बैग आदि में खर्च किए गए किए गए हैं। बना रहे कार्ययोजना विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी रामनिवास बुधोलिया ने बताया कि दान में करीब 6 करोड़ 50 लाख रुपये आए थे। इसमें वर्तमान में लगभग 2 करोड़ 60 लाख रुपये बचे हैं। इस राशि का उपयोग करने के लिए कार्ययोजना बना रहे हैं। जिले की 100 आंगनबाड़ियों को स्मार्ट किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिले में करीब 965 आंगनबाड़ी केंद्रों में बिजली कनेक्शन किया जाना था, जिसमें करीब 800 आंगनबाड़ियों में कनेक्शन हो चुका है, जहां नहीं हुआ है, वहां कनेक्शन किया जा रहा है।

इंदौर में हवा की दिशा बदलते ही बढ़ा तापमान

रात का पारा 18 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचा

सिटी चीफ इन्दौर

हवाओं का रूख बदलते ही तापमान में बढ़ाने लगा। मंगलवार को दक्षिण-दक्षिण पूर्वी दिशा से हवा चली। तीन दिन बाद फिर रात का तापमान पंद्रह डिग्री से ऊपर पहुंच गया। बीते 24 घंटे में न्यूनतम तापमान में 3.6 डिग्री सेल्सियस का अंतर रहा। मंगलवार को अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस तक रहने की उम्मीद है। सुबह दस बजे का तापमान 22 डिग्री रहा। अलसुबह धुंध छाई रही। दृश्यता छह हजार मीटर तक पहुंच गई। सुबह बादलों के बीच सूरज की लुकाछुपी चलती रही। हवा चलने से गुलाबी ठंड महसूस की गई। न्यूनतम तापमान 18.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से चार डिग्री अधिक था। हवा की रफ्तार 16 किमी रही। मौसम विभाग के मुताबिक राजस्थान में बरसात ने प्रदेश का मौसम बदल दिया है। यहां भी कुछ हिस्सों में हल्की बरसात हुई है। इसके चलते मालवा का मौसम भी ठंडा हुआ है। मगर मंगलवार से तामपान में बढ़ोत्तरी देखी जाएगी।आज का मौसम शहर में सोमवार को बादल छाए और सूरज की बादलों के साथ लुका-छिपी रही। मंगलवार को बादल छाएंगे और बूंदाबांदी की संभावना है। दिन में हवा का रुख दक्षिणी व शाम को पश्चिमी रहेगा। इससे सुबह व रात में हल्की ठंडक का अहसास शहरवासियों को होगा।

इंदौर में तू खींच मेरी फोटो थीम पर आयोजित जीनियस ग्रुप की दूसरी साधारण सभा

कई यादगार फोटो मोबाइल में हुए कैद सभी यादों को सहेज कर ले गए अपने मोबाइल में

महावीर जैन । सिटी चीफ

इंदौर, रविवार को आयोजित दिगंबर जैन सोशल ग्रुप जीनीयस की दूसरी साधारण सभा तू खींच मेरी फोटो (एक्सप्रेस योरसेल्फ) और छूलो आसमान(यूजिकल नाइट) थीम पर हातोद स्थित फ़िल्म सिटी पर आयोजित की गई आयोजन के मु य संयोजक महावीर जैन , जितेंद्र पोरवाल, अभिषेक जैन बताया की मीटिंग को पांच संयोजको ने मिलकर एक अनूठी पर संयोजित किया था मीटिंग के दौरान थीम पर आधरित प्रतियोगिताए रखी गई जिसमें सभी कपल्स को फिल्म सिटी में स्थित सेल्फी पॉइंटस पर फोटो खींचकर कोलाज बनाकर एवं एक रील बनाकर सेंड करना था साथ ही यूजिकल नाइट प्रीतियोगिता दौरान सिंगिंग प्रतियोगिता भी रखी गई थी जिसमें ×0 से भी प्रितिभागीयो ने अपनी आवाज का जलवा बिखेरा आयोजन प्रमुख ऋ्षु जैन,भावना जैन, रानू पोरवाल, दीपिका जैन ,किरण पाटनी ने विस्तार से बताया कि रविवार 25 फरवरी को पूरे देश में आचार्य विद्यासागर जी महाराज की वीनियांजलि सभा का आयोजन रखे गए थे उसी के मद्देनजर जीनियस ग्रुप द्वारा भी परम पू'य आचार्य संत शिरोमणि 108 श्री विद्यासागर जी महाराज की विनियंजली सभा मीटिंग की शुरुवात के पूर्व रखी गई गुरुदेव की तस्वीर का चित्र अनावरण कर दीप प्रवलन किया गया विनयांजलि सभा में सभी ने अपने विचार रखें ओर 2 मिनट का मौन रख गुरुदेव के तप, त्याग ओर तपस्या ओर उनके द्वार बताए गए पद चिन्हों पर चलने का सभी ने प्रण लिया मीटिंग के दौरान कपल गे स कॉ पटिशन भी रखी गई जिसमें सभी सदस्यों ने भाग लिया.. पूरा जीनियस ग्रुप परिवार पिछले कई दिनों से इस कॉ पटिशन को लेकर उत्साहित था.. सभी ने बढ़-चढ़कर पूरे उत्साह के साथ सभी प्रतियोगिताओ में भाग लिया.. सभी प्रतिभागी फोटो शूट के दौरान कई पोशाक में तैयार होकर फ़ोटो शूट करते नजर आए साथ ही यूजिकल नाईट में सभी प्रतिभागियों ने बहुत ही सु मधुर आवाज एक से बढ़कर एक रोमांटिक सांग्स सभी श्रोताओ का मन मोह लिया आयोजन में प्रमुख रूप से ग्रुप संस्थापक संरक्षक विजय बड़जात्या ,अक्षय कासलीवाल का मार्गदर्शन व टी.के वेद,शरद वेद ,संजय बड़जात्या, बरखा बड़जात्या,विजय अजमेरा विशेष रूप से उपस्थित थे कार्यक्रम का सफल संचालन ग्रुप के वरिष्ठ उपाध्यक्ष महावीर जैन ने किया एवं आभार ग्रुप अध्यक्ष संजय बड़जात्या ने माना।

इंदौर के एमजी रोड और जवाहर मार्ग वनवे पर एक ही दिन में 80 चालान बने

सिटी चीफ इन्दौर

एक माह के प्रयोग के बाद इंदौर के व्यस्त मार्ग एमजी रोड और जवाहर मार्ग को स्थायी रूप से वनवे घोषित कर दिया गया है। इसके बाद अब इस मार्ग पर गलत दिशा की ओर से आने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है।सोमवार को इस मार्ग पर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 80 लोगों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई है। ये सभी दोपहिया वाहन चालक हैं। चालानी कार्रवाई के लिए पुलिस करीब 10 ऐसे पाइंट पर तैनात रही, जहां पर लोग शार्ट कट के चलते नियमों का उल्लंघन करते हैं। इस दौरान अधिकांश दोपहिया वाहन चालक यह बहाने बनाते रहे हैं कि हमें तो यहीं पास में जाना है, इसलिए हम इधर से जा रहे हैं। फिर भी पुलिस ने सख्ती बरतते हुए कार्रवाई की और आगे से नियम नहीं तोड़ने की सलाह भी दी। बता दें कि शुक्रवार को ट्रैफिक प्रबंधन को लेकर बैठक हुई थी, उसमें ट्रैफिक नियमों का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की बात कहीं गई थी। बैठक में तय हुआ कि यातायात व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से इस मार्ग को वन वे घोषित किया गया है। 283 वाहन चालकों के लाइसेंस होंगे निरस्त बार-बार यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों की सूची तैयार हो गई है।

इंदौर में रेलवे स्टेशन से सरवटे बस स्टैंड तक बनेगी भूमिगत सड़क

सिटी चीफ इन्दौर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए 41,000 करोड़ रुपये की लागत वाली रेलवे की 2,000 से अधिक परियोजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया। उन्होंने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 553 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास का शिलान्यास भी किया। 27 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में स्थित इन स्टेशनों का 19,000 करोड़ से अधिक की लागत से पुनर्विकास किया जाएगा। मोदी ने रेलवे की इन परियोजनाओं को भारत के बुनियादी ढांचे में बड़े बदलाव का वाहक भी बताया। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत इंदौर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्य का भी वर्चुअली भूमिपूजन पीएम मोदी ने किया। 494 करोड़ रुपये की लागत के इस प्रोजेक्ट को वर्ष 2027 तक पूरा किया जाएगा। योजना के तहत रेलवे स्टेशन से सरवटे बस स्टैंड तक भूमिगत मार्ग भी तैयार किया जाएगा।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं के सपने को अपने संकल्प से जोड़ते हुए कहा कि आपके सपने, आपकी मेहनत और मोदी का संकल्प विकसित भारत की गारंटी है। विकसित भारत युवाओं के सपनों का भारत होगा और ये कैसा होगा, यह तय करने का सबसे अधिक हक भी उन्हीं को है। इस दौरान लोकसभा चुनाव में जीत के प्रति आत्मविश्वास से भरे मोदी ने फिर कहा कि उनके तीसरे कार्यकाल की शुरुआत जून से होगी। उन्होंने कहा- हम बड़े सपने देखते हैं और उन्हें साकार करने के लिए अथक परिश्रम करते हैं। तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनाने के लिए हम कड़ी मेहनत कर रहे हैं। जब हम लक्ष्य प्राप्त कर लेंगे तो सोचा जा सकता है कि ताकत कितनी बढ़ जाएगी। सोमवार को इंदौर में प्लेटफार्म-1 पर कार्यक्रम के लिए मंच और पीएम के भाषण को सुनने के लिए यहां दो स्क्रीन लगाई गई थीं। इस दौरान सांसद शंकर लालवानी सहित कई जनप्रतिनिधि और रेलवे अधिकारी उपस्थित थे। स्कूली विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। सांसद लालवानी ने बताया कि 50 साल की जरूरत के लिहाज से इंदौर रेलवे स्टेशन को पुनर्विकास किया जा रहा है। प्लेटफार्म-1 पर सात मंजिला और प्लेटफार्म-4 पर तीन मंजिला भवन बनाया जाएगा। सर्कुलेटिंग एरिया के साथ बेसमेंट में पार्किंग बनेगी। एयरपोर्ट की तर्ज पर यात्रियों को सुविधाएं मिलेंगी। बाहर से खरीदारी के लिए आने वाले यात्रियों के लिए होटल होगी। शापिंग काम्प्लेक्स भी होगा, जहां यात्री खरीददारी कर सकेंगे। दिव्यांगजन के लिए अलग से लिफ्ट होगी। 2047 तक ट्विन सिटी के रूप में विकसित होंगे उज्जैन-इंदौर = मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने सीहोर में आयोजित कार्यक्रम में कहा- रेल सुविधाओं का लगातार विस्तार हो रहा है। अमृत काल में वर्ष 2047 तक भोपाल-सीहोर-रायसेन, भोपाल-विदिशा, उज्जैन-इंदौर और उज्जैन-देवास ट्विन सिटी के रूप में विकसित होंगे। उद्योग, रोजगार में बढ़ोतरी के साथ ही महिलाओं, युवाओं और कमजोर वर्ग की प्रगति के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही है। भोपाल और सीहोर को जोड़कर आवागमन के साधन, आवासीय परियोजनाएं और रोजगार के अवसरों के समग्र विकास की योजना का क्रियान्वयन किया जाएगा। प्रदेश में इन स्टेशनों का होगा पुनर्विकास = इंदौर, मंदसौर, सीहोर, मक्सी, नागदा जंक्शन, छिंदवाड़ा जंक्शन, मंडला फोर्ट, नैनपुर, सिवनी, अनूपपुर, बिजूरी, शहडोल, उमरिया, भिंड, दतिया, हरपालपुर, मुरैना, अशोकनगर, खिरकिया, सांची, शाजापुर, शुजालपुर, नीमच, नरसिंहपुर, पिपरिया, ब्यौहारी, बरगवां, जबलपुर, उज्जैन, बीना और खंडवा रेलवे स्टेशन।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर भोपाल में दो दिवसीय कार्यशाला का आज शुभारंभ

500 से अधिक शिक्षाविद होंगे शामिल

सिटी चीफ भोपाल।

प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग तथा मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अन्तर्गत भारतीय ज्ञान परम्परा विषय को केन्द्र में रखते हुए दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की जा रही है। राजधानी में स्थित शासकीय सरोजनी नायडू कन्या (स्वशासी) स्नातकोत्तर महाविद्यालय (नूतन कालेज) के स्वामी विवेकानंद सभागार में आयोजित कार्यक्रम में आज सुबह दस बजे इस कार्यशाला का शुभारंभ होगा। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता

राज्यपाल मंगुभाई पटेल करेंगे, जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव और प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस कार्यशाला में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिपालन में नवीन पाठयक्रम निर्माण के लिए गठित केन्द्रीय अध्ययन मण्डल के अध्यक्ष तथा चयनित सदस्य, विभिन्न विषयों के लिए मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी के माध्यम से पाठ्यक्रमों के लेखक प्राध्यापक, ई-कन्टेंट (ई-लर्निंग मटेरियल) तैयार कर रहे प्राध्यापक सहित 500 से अधिक शिक्षाविद एवं प्रसिद्ध विचारक भी सम्मिलित होंगे।

दो वर्ष से फरार आयुर्वेदिक दवा बेचने वाले ठग गिरफ्तार

सिटी चीफ भोपाल।

राजधानी में एमपीनगर पुलिस ने महाराष्ट्र के एक गिरोह से जुड़े तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने दो साल पहले भोपाल में साढ़े सात लाख की ठगी की थी। आरोपित आयुर्वेदिक दवा से इलाज करने व दवा उपलब्ध कराने के नाम पर लोगों को झांसे में लेते थे। इनका एक साथी पूर्व में गिरफ्तार हो चुका है। पुलिस को बाकियों की तलाश थी, जो दो साल बाद हाथ लग गए। एमपीनगर पुलिस ने कोलार पुलिस की मदद से आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। थाने लाकर पूछताछ की तो पता चला कि आरोपित ने 2021 में एक परिवार केसाथ आयुर्वेदिक दवा से

घुटनों के इलाज का दावा कर करीब सात लाख 51 हजार की ठगी की थी।इस पर एमपीनगर थाने में धोखाधड़ी की धाराओं में एफआइआर भी दर्ज की गई थी। इसमें एक आरोपित को गिरफ्तार किया गया था, जबकि बाकी फरार थे। गिरफ्तार आरोपितों में शांता दुर्गाप्पा वेदू, अनिल दुर्गाप्पा वेदू और करन यलप्पा वेदू तीनों निवासी कोल्हापुर महाराष्ट्र हैं। आरोपित महिला को अपने गिरोह में सिर्फ इसलिए रखते थे कि उन पर कोई शंका नहीं करे।

खिड़की तोड़कर कलेक्ट्रेट में चोरी मानीटर और की-बोर्ड ले गए चोर

सिटी चीफ भोपाल।

कोहेफिजा थाना क्षेत्र में स्थित कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित खाद्य शाखा के कार्यालय में चोरी का मामला सामने आया है। चोरों ने खिड़की को तोड़कर सेंध लगाई है। बताया जा रहा है कि खाद्य शाखा कार्यालय के रोशनदान में लगे लोहे के सरिए तोड़कर अज्ञात चोर अंदर घुसा और मानीटर व की-बोर्ड चुराकर ले गया। हालांकि इस हाल में सीसीटीवी कैमरा भी लगा हुआ है, जिसकी रिकार्डिंग खंगाली जा रही है। साथ ही इसकी शिकायत कोहेफिजा थाने में भी की गई है।जिला आपूर्ति नियंत्रक मीना मालाकार ने बताया कि सोमवार को कर्मचारियों ने जब कार्यालय खोला तो खिड़की का सरिया टूटा हुआ था। आसपास की दीवार भी तोड़ी गई थी। वहीं कार्यालय में रखा कम्प्यूटर मानीटर, स्क्रीन और की बोर्ड गायब था। सीसीटीवी में देखने पर पता चला कि कोई दुबला

बच्चा या कोई व्यक्ति लोहे के सरिये तोड़कर अंदर घुसा है। बता दें कि कलेक्ट्रेट में सुरक्षा के मद्देनजर सीसीटीवी कैमरों के साथ ही एक-चार का गार्ड चौबीस घंटे तैनात रहता है। ये गार्ड कलेक्ट्रेट के अगले हिस्से पर नजर रखते हैं, इसके बावजूद चोरी होना सुरक्षा इंतजाम पर सवालिया निशान खड़ा करता है। **पांच माह पहले भी हो चुकी है चोरी** यहां पर यह बता दें कि कलेक्ट्रेट की निर्वाचन शाखा में पांच महीने पहले छुट्टी वाले दिन दिनदहाड़े कम्प्यूटर सेट चोरी हो चुका है। तब जिला निर्वाचन कार्यालय में 65 हजार कीमत का कम्प्यूटर सेट चोरी होने के बाद ही कलेक्ट्रेट में जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। इसके पहले सीसीटीवी नहीं होने की वजह से चोर का सुराग नहीं लगा था। पुलिस अब तक निर्वाचन शाखा में हुई चोरी का सुराग नहीं लगा पाई है।

काम की खबर : भोपाल में कुत्तों के आतंक से लोग हो रहे परेशान

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी उपलब्ध रहेंगे एंटी रेबीज इंजेक्शन

सिटी चीफ भोपाल।

प्रदेश के प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में अब एंटी रेबीज इंजेक्शन की उपलब्धता सुनिश्चित कराने की तैयारी शुरू हो गई है। अभी तक इसकी उपलब्धता जिला और सिविल अस्पतालों में ही है। जुलाई से ये सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी मिलने लगेंगे। दरअसल, प्रदेश में श्वानों के काटे जाने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं।इनमें भी सबसे ज्यादा शिकार ग्रामीण क्षेत्रों के लोग होते हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में एंटी रेबीज इंजेक्शन की उपलब्धता नहीं होने से अक्सर लोगों को परेशान होना पड़ता है। बता दें कि श्वान के काटने पर अब सरकारी अस्पतालों में पांच

की जगह चार इंजेक्शन ही लगाए जाते हैं, जो पहले दिन, तीसरे दिन, 14वें दिन और 28वें दिन लगाए जाते हैं। **स्वास्थ्य विभाग ने तैयार की कार्ययोजना** श्वानों के काटने के मामले लगातार बढ़ने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने लक्ष्य निर्धारित कर कार्य करने की योजना तैयार की है। इस कार्यक्रम के तहत प्रत्येक जिले में एंटी रेबीज के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाना है। नोडल अधिकारी स्वास्थ्य विभाग, वन विभाग और अन्य शहरी नगर पालिका या पंचायत के विभागों से समन्वय कर इसकी रोकथाम लिए काम करेगा। नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी होगी कि ग्रामीण स्तर के सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर जिला चिकित्सालय तक में एंटी रेबीज इंजेक्शन की उपलब्धता सुनिश्चित हो। इसके साथ ही स्वास्थ्य विभाग के अमले को एंटी रेबीज इंजेक्शन के लिए प्रशिक्षण देने के साथ ही जन जागरूकता अभियान भी चलाएंगे। हालांकि प्रदेश के कई बड़े शहरों भोपाल, इंदौर में भी अभी इंजेक्शन की काफी कमी है।

काम की खबर : कैंसर रोगियों को अस्पताल में घर जैसा माहौल मिलेगा, सरकारी और निजी अस्पतालों में शुरू होगी पैलिएटिव केयर सुविधा

सिटी चीफ भोपाल।

कैंसर का नाम सुनते ही अधिकतर रोगी हौसला खो देते हैं। बीमारी की तीसरी या चौथी अवस्था में पहुंच चुके रोगियों को दर्द के साथ मानसिक समस्याएं भी होने लगती हैं। वह खुद को असहाय समझने लगते हैं। ऐसे में उन्हें उपचार के साथ भावनात्मक सहयोग की आवश्यकता होती है। ऐसे रोगियों को प्रदेश में पैलिएटिव केयर की सुविधा सरकारी और निजी अस्पतालों में दी जाएगी।अस्पताल में ही ऐसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे वह घर जैसा अनुभव कर सकें। कक्ष में टीवी, मनोरंजन के साधन, योग-ध्यान की व्यवस्था और तनाव से उबारने के लिए काउंसलर परामर्श देंगे। उनके स्वजन भी साथ रहेंगे। निजी अस्पतालों में आयुष्मान योजना के माध्यम से यह सुविधा उपलब्ध कराने की तैयारी है। भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में पेलिएटिव केयर की सुविधा देने की घोषणा की थी। इंडियन

काउंसिल आफ मेडिकल रिसर्च (आइसीएमआर) के नेशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम के अनुसार मध्?य प्रदेश में हर वर्ष 3500 से 4000 कैंसर रोगियों की मौत हो जाती है। यह बीमारी की तीसरी या चौथी अवस्था में होते हैं। इस दौरान कई रोगियों का दर्द भी असहनीय हो जाता है। पेलिएटिव केयर में दर्द निवारण के लिए नारकोटिक्स दवाएं दी जाती हैं। यह दवाएं रोगियों को अभी विशेष परिस्थिति में डाक्टर के लिखने पर ही मिल पाती हैं। इसके पहले भी वर्ष 2014 में भी स्वास्थ्य विभाग ने इसके लिए प्रयास किए थे। उज्जैन जिला अस्पताल में इसकी शुरुआत भी हुई थी, पर यह सुविधा मात्र नाम के लिए ही रही। अब आयुष्मान योजना में शामिल होने पर पूरे मापदंडों के अनुरूप इनका संचालन हो सकेगा। हर जिला अस्पताल में इनकी काउंसलिंग के लिए काउंसलर्स नियुक्त किए जाएंगे जो तनाव से उबारने का काम करेंगे। योग-ध्यान कराने वाले रहेंगे।

रविशंकर मार्केट की शिफ्टिंग का रहवासियों ने किया विरोध

सिटी चीफ भोपाल।

शिवाजी नगर में पांच नंबर स्टाप स्थित रविशंकर मार्केट का पुनर्विकास योजना के तहत उन्नयन/नवीनीकरण किया जा रहा है। इसके लिए सोमवार को इस मार्केट की दुकानों को अस्थायी तौर पर पास के ही एक खेल मैदान में शिफ्ट किया जा रहा था। इन अस्थायी दुकानों निर्माण के दौरान हाउसिंग बोर्ड और आसपास के रहवासियों में झड़प हो गई। हालांकि बाद में हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों ने रहवासियों को दुकानें बनाने के सहमति से संबंधित दस्तावेज दिखाए। लेकिन रहवासी मानने को तैयार नहीं थे।बता दें कि पुर्नविकास नीति के तहत हाउसिंग बोर्ड रविशंकर मार्केट का रिडेवलपमेंट कर रहा है। इसमें रहवासियों को निश्शुल्क फ्लैट और दुकानें दी जाएंगी। अभी इस मार्केट में 65 दुकानें हैं।

इसके लिए रविशंकर मार्केट के पास बने एफ टाइप क्वार्टर के सामने मैदान में अस्थायी दुकानें बनाई जा रही हैं। इसके लिए साधीकार समिति ने भी सहमति दे दी है। लेकिन छह से सात रहवासियों का कहना था कि मैदान बच्चों के खेलने के लिए है। हालांकि इससे संबंधित सभी दस्तावेज हाउसिंग बोर्ड के पास हैं। काफी देर तक समझाने के बाद मामला शांत हुआ।

काम की खबर : चार साल बाद भोपाल से लखनऊ का हवाई कनेक्शन जुड़ेगा 31 मार्च से शुरू होगी सीधी उड़ान

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल से लखनऊ तक हवाई कनेक्शन चार साल बाद फिर से जुड़ने जा रहा है। इंडिगो ने इस रूट पर डायेक्ट उड़ान शुरू करने का निर्णय लिया है। 31 मार्च से प्रस्तावित उड़ान का शेड्यूल जारी कर दिया गया है। समर सीजन में बेंगलुरु एवं दिल्ली तक एयर कनेक्टिविटी बढ़ेगी। पुणे उड़ान भी प्रारंभ होने की संभावना है।इंडिगो ने भोपाल-लखनऊ उड़ान सप्ताह में पांच दिन संचालित करने का निर्णय लिया है। 31 मार्च से शुरू हो रही उड़ान रविवार, सोमवार, बुधवार, गुरुवार एवं शुक्रवार को संचालित होगी। कंपनी ने इसकी बुकिंग भी प्रारंभ कर दी है। प्रारंभिक किराया करीब पांच हजार रुपये होगा। स्पाट फेयर इससे अधिक हो सकता है। इंडिगो ने चार साल पहले भी लखनऊ उड़ान शुरू की थी लेकिन एक दिन बाद ही उड़ान बंद कर दी गई। यात्रियों की मांग को देखते हुए इस रूट पर फिर से उड़ान प्रारंभ की जा रही है। **पुणे उड़ान भी शुरू होने की उम्मीद** 29 मार्च से लागू हो रहे समर शेड्यूल में इंडिगो एक अतिरिक्त दिल्ली उड़ान प्रारंभ कर सकता है। बेंगलुरु तक दूसरी उड़ान 29 फरवरी से प्रारंभ हो रही है। समर सीजन में बेंगलुरु तक तीसरी उड़ान शुरू होने की संभावना भी है। एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी के अनुसार फिलहाल इंडिगो ने लखनऊ उड़ान की बुकिंग प्रारंभ की है। एयर इंडिया से पुणे उड़ान प्रारंभ करने की चर्चा चल रही है। **अयोध्या जाने वालों को भी सुविधा** लखनऊ उड़ान प्रारंभ होने से भोपाल से अयोध्या जाने वालों को भी सुविधा होगी। लखनऊ से अयोध्या तक सड़क मार्ग से करीब ढाई घंटे लगते हैं। राम मंदिर बनने के बाद श्रद्धालु अयोध्या तक सीधी उड़ान शुरू करने की मांग भी कर रहे हैं।

स्वराज वीथि में आजाद कथा चित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ आज

पशुपालन प्रशिक्षण संस्थान सभागार में रंग मराठी महोत्सव

सिटी चीफ भोपाल।

शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। मंगलवार 27 फरवरी को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी।माह का प्रादर्श - इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में फरवरी माह के प्रादर्श के रूप में भूटिया समुदाय के आध्यात्मिक उपकरण फुरबा को प्रदर्शित किया जा रहा है। वीथि संकुल में इसे सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक देखा जा सकता है। चित्र प्रदर्शनी - मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय की लिखंदरा दीर्घा में गोंड चित्रकार संतू तेकाम के चित्रों की प्रदर्शनी सह-विक्रय का संयोजन किया गया है। इस प्रदर्शनी को

दोपहर 12 बजे से रात आठ बजे तक देखा जा सकता है।

बाग प्रिंट उत्सव - बाग (धार) के शिल्पियों द्वारा गौहर महल में बाग प्रिंट उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। तीन मार्च तक चलने वाली इस प्रदर्शनी का समय दोपहर एक बजे से रात दस बजे तक है। आजाद कथा चित्र प्रदर्शनी - स्वराज संस्थान संचालनालय द्वारा अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की पुण्यतिथि पर स्वराज वीथि में 27 से 29 फरवरी तक आजाद कथा चित्र प्रदर्शनी आयोजित की जा रही है। चित्र प्रदर्शनी दोपहर 12 से शाम सात बजे तक दर्शकों के अवलोकनार्थ खुली रहेगी। वनमाली कथा सम्मान समारोह - तीन दिवसीय राष्ट्रीय वनमाली कथा सम्मान समारोह का आयोजन रबींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय परिसर में किया जा रहा है। कार्यक्रम के दूसरे दिन साहित्यकारों के वक्तव्य और संगोष्ठी की शुरुआत शाम पांच बजे से होगी। शाम सात बजे से सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। नाट्य समारोह - दो दिवसीय रंग अविराम नाट्य समारोह के पहले दिन नाटक आधे अधूरे की प्रस्तुति होगी और शहर के कलाकारों को दुष्यंत कुमार सम्मान से अलंकृत किया जाएगा। कार्यक्रम शाम साढ़े छह बजे से आरंभ होगा। रंग मराठी महोत्सव - मराठी गौरव दिवस के अवसर पर रंग मराठी महोत्सव सायं 7 बजे राज्य पशुपालन प्रशिक्षण संस्थान सभागार, वैशाली नगर में होगा। उललेखनीय है कि संस्कृति विभाग की मराठी साहित्य अकादमी द्वारा प्रतिवर्ष मराठी गौरव दिवस श्रेष्ठ कवि ज्ञानपीठ पुरस्कार से अलंकृत विष्णु वामन शिरवाडकर कुसुमाग्रज के जन्म दिवस के अवसर पर मनाया जाता है। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुति के रूप में रंग मराठी मातीचा शीर्षक से मराठी भाव एवं मधुर गीतों की संगीतमय ओजपूर्ण गायन प्रस्तुति महेश कंठे एवं सुश्री निकेता कानिटकर लेने एवं साथियों द्वारा की जाएगी।

संपादकीय

घरेलू खपत में परिवर्तन उत्पादकों के लिए संकेत

सरकार ने गत सप्ताह घरेलू खपत व्यय सर्वेक्षण के कुछ नतीजे जारी किए। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने अगस्त 2022 से जुलाई 2023 के बीच 2.60 लाख परिवारों में खपत को लेकर एक व्यापक सर्वेक्षण किया। बीते एक दशक में यह पहला ऐसा सर्वेक्षण है जिसके नतीजे सार्वजनिक किए गए हैं। हालांकि 2017-18 में भी ऐसा सर्वेक्षण किया गया था लेकिन आंकड़ों की गुणवत्ता संबंधी समस्या के कारण आंकड़ों को सार्वजनिक नहीं किया गया। एक दशक पुराने आंकड़ों के साथ तुलना ने कुछ सुर्खियां बटोरीं। उदाहरण के लिए खाद्य में ग्रामीण परिवारों के व्यय का अनुपात 2011-12 के 53 फीसदी से कम होकर 2022-23 में 46 फीसदी हो गया। इस अनुपात पर सरकार की ओर से बढ़े हुए अनाज आवंटन का सटीक प्रभाव नहीं जाना जा सकता है इसलिए इस आंकड़े से कोई नीति संबंधी निष्कर्ष निकालना असुरक्षित ही माना जाएगा। इससे भी दिलचस्प यह है कि ग्रामीण परिवारों की खपत के व्यय में 40 फीसदी का इजाफा हुआ और शहरी परिवारों में एक तिहाई। ये ठोस आंकड़े हैं लेकिन यह बात भी ध्यान में रखी जानी चाहिए कि खपत में सामान्य वृद्धि, सकल घरेलू उत्पाद में नॉमिनल वृद्धि से उल्लेखनीय रूप से कम है। इससे सवाल पैदा होते हैं- क्या भारत सरकारी निवेश या सरकार समर्थित वृद्धि का रुख कर रहा है जबकि पारिवारिक व्ययों में कमी की जा रही है? राष्ट्रीय खातों के मुताबिक प्रति व्यक्ति निजी खपत व्यय, खपत सर्वेक्षणों से निकली राशि से करीब दोगुना है। यह अंतर अस्वाभाविक नहीं है लेकिन इसकी मदद से इस वृहद आर्थिक प्रश्न को हल नहीं किया जा सकता है कि खपत को अभी भी भारतीय वृद्धि के वाहक के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है अथवा नहीं। सामान्य तौर पर सर्वेक्षण के पिछले संस्करण के आंकड़ों के साथ तुलना करने से बचा जाना चाहिए क्योंकि दोनों सर्वेक्षणों की प्रविधि में काफी अंतर रहा है। पिछले दौर में कम वस्तुओं के व्यय से संबंधित प्रश्न पूछे गए थे जबकि नए संस्करण में परिवारों के साक्षात्कार के लिए डिजिटल तरीका अपनाया गया और अधिक वस्तुओं पर व्यय को शामिल किया गया। इस सर्वेक्षण के आंकड़ों की तुलना एक दशक पहले के आंकड़ों से करना शायद समझदारी भरा और आसान न हो किंतु इस दौर के सर्वेक्षण के आंकड़ों का बारीकी से अध्ययन किया जाएगा। उदाहरण के लिए व्यय में असमानता के कुछ परेशान करने वाले परिणाम सामने आए हैं। खपत व्यय के हिसाब से देश की आबादी का निचला पांच प्रतिशत हिस्सा, शीर्ष पांच प्रतिशत हिस्से की तुलना में केवल दसवां भाग व्यय करता है। कुल वितरण में भी असमानता है। खपत व्यय के मामले में राज्यों का भौगोलिक अंतर भी चिह्नित किया गया है। सर्वेक्षण को कोविड के बाद उस समय अंजाम दिया गया जब खपत व्यय में इजाफा हो रहा था। यही वजह है कि कुछ विश्लेषकों ने कहा है कि इन निष्कर्षों को सावधानी के साथ देखना चाहिए। सरकार को इससे यही सबक लेना चाहिए कि इन सर्वेक्षणों को नियमित रूप से अंजाम दिया जाना चाहिए ताकि बेहतर नीति बन सके। इस प्रकार के सर्वेक्षणों की आवृत्ति बढ़ाने की आवश्यकता है। खपत के तरीके भी तेजी से बदल रहे हैं और नीति निर्माताओं को सही निर्णय लेने के लिए तेज और सही आंकड़ों की आवश्यकता है। खपत सर्वेक्षणों का इस्तेमाल उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में शामिल वस्तुओं को नए सिरे से तय करने के लिए भी किया जाता है। अगला उचित कदम होगा इस सूचकांक को उन्नत बनाना ताकि मौद्रिक नीति को बेहतर बनाया जा सके। इसके अलावा खपत रुझान में बदलाव यह बताता है कि खाद्य बास्केट के भीतर भी परिवारों का अनाज पर व्यय कम हो रहा है। खपत बास्केट में बदलाव उत्पादकों के लिए एक संकेत है। गारंटी वाला समर्थन मूल्य मांगने के बजाय किसानों को उन वस्तुओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जहां उपभोक्ता व्यय बढ़ रहा है।

सियासतः छवियों से ही प्रतीक बनते है, चुनाव में राजनेताओं और जन-मन पर दिखेगा दिलचस्प असर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अनेक छवियां एक में सम्मिलित होकर प्रतीक में बदल कर अपना प्रभाव सृजित करती हैं। राहुल गांधी की कई छवियां या तो अभी विकास की प्रक्रिया में हैं या जो विकसित हैं, उनका अभी संघनित सम्मिलन नहीं हो पाया है।भारत में छवियों के अध्ययन का अभी तक कोई सुसंगत शास्त्र विकसित नहीं हो पाया है। इसके लिए शोध प्रविधि एवं इसके प्रभावों के अध्ययन, अंकन एवं मापन का काम सुसंगत ढंग से अभी होना बाकी है। 'छवियां% मात्र छवियां नहीं होती हैं, वे धीरे-धीरे प्रतीकों में रूपांतरित हो हमारे मानस को गहरे प्रभावित करती हैं। इसी प्रक्रिया में वे जन-मन की 'गोलबंदी का स्वरूप रचती हैं। भारतीय राजनीति एवं चुनावों के अध्ययन में 'वृत्तांतों पर बातें तो होती हैं, पर छवियों पर व्यापक चर्चा नहीं होती। लोगों के बयानों के आधार पर 'सेफोलॉजी चुनावी परिणामों की व्याख्या तो करती रहती है, परंतु इस प्रक्रिया में छवियों के पड़ने वाले प्रभावों का न तो राजनीति-वैज्ञानिक अध्ययन करते हैं, न चुनाव विश्लेषक ज्यादा विचार करते हैं। जबकि मेरा मानना है कि राजनीति में छवियां धीरे-धीरे बनती-बिगड़ती हमारी राजनीतिक कल्पनाशीलता (पॉलिटिकल इमैजिनेशन) को प्रभावित करती हैं। इसी प्रभाव निर्माण की प्रक्रिया में वे किसी नेता, किसी राजनीतिक दल एवं किसी विचार के प्रति मतदाताओं को प्रभावित करती रहती हैं। कई बार छवियां विश्वास या अविश्वास का सृजन कर हमें चुनावी बूथों तक ले जाती हैं। वे हममें मोह रचती हैं एवं अनेक बार मोहभंग भी सृजित करती हैं। मैं पिछले कई वर्षों से राजनीतिक नेताओं की छवियों का राजनीतिक एवं चुनावी गोलबंदी पर पड़ने वाले परिणामों के अध्ययन, चर्चा एवं विमर्श में शामिल रहा हूं। मैं राजनीतिक नेताओं की छवियों के बनने, बिगड़ने, उनमें आने वाले ठहराव एवं गतिकी को समझने की कोशिश करता रहता हूं। पिछले दिनों हमने उत्तर प्रदेश के छोटे शहरों, जिलों एवं कस्बों के 20 से 30 वर्ष के युवाओं के साथ संवाद किया। ये युवा समाज की विभिन्न जातियों एवं वर्गों से थे। इनमें छात्र, छात्राएं, युवक एवं युवतियां, दोनों ही कोटि से जुड़े लोग थे। इनके साथ हुए संवादों से जो कुछ निहितार्थ निकले, वे बहुत रोचक एवं समकालीन राजनीति को समझने में सहायक हो सकते हैं। इन संवादों से यह समझ में आया कि नेताओं की छवियां मंथर गति से बढ़ती या घटती हैं। इनमें अचानक उछाल या गिरावट उनके द्वारा किए गए बड़े कार्यों या घटनाओं से आती है। मैंने इन संवादों के केंद्र में मूलतः दो छवियों- भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं विपक्ष के नेता राहुल गांधी को रखा था। प्रधानमंत्री मोदी की छवियों के वृत्तांतों में उन्हें प्रायः ईमानदार, लोभ-लालच एवं परिवारवाद से मुक्त एवं विकास के लिए समर्पित नेता बताने की प्रवृत्ति दिखी। कई युवा उन्हें देश एवं धर्म के प्रति समर्पित नेता मान रहे थे। यह जानना सबसे रोचक था कि उनमें से कई युवा उन्हें 'युग पुरुष के रूप में भी देखने लगे हैं। उनका कहना था कि वे एक ऐसे नेता हैं, जो एक पूरे युग को रचने एवं प्रभावित करने वाला काम कर रहे हैं। इन युवाओं के मन में उनकी छवियों के जो वृत्तांत मुझे सुनने को मिले, उनसे दो बातें साफ लगीं। एक तो, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जन छवियों में रामजन्मभूमि प्राण-प्रतिष्ठा के बाद बड़ा उछाल आया है। उन्हें लोग 'युग पुरुष के रूप में देखने एवं कहने लगे हैं। उनकी 'युग पुरुष की छवि सामान्य युवाओं के मन में रामजन्मभूमि प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के बाद की उत्पत्ति इसलिए मानी जानी चाहिए कि उसके पहले ऐसा सुनने को नहीं मिलता था। दूसरा, उनकी छवि आज 'राजनीति से परे' (बियोंड पॉलिटिक्स) अपने में सामाजिक, धार्मिक एवं परिवारपन से जुड़ी छवियां शामिल किए हुए है। किसी भी राजनेता की जनछवियों में सकारात्मक एवं नकारात्मक, दोनों ही प्रकार की धारणाएं होती हैं। लेकिन जनता के बयानों में छवियों के संदर्भ में प्रायः सकारात्मक वृत्तांत ज्यादा मिलते हैं। दूसरे, कई बार लोगों में उनके बारे में उदासीनता मिलती है। तीसरे स्तर पर आता है, छवियों की नकारात्मकता का बयान, जिसकी मात्रा या प्रतिशत प्रायः कम ही होता है। राष्ट्रीय नेताओं में 'अन्य छवि जनता के मन में जिस नेता की बनती-बिगड़ती रहती है-वह हैं कांग्रेस के राहुल गांधी। राहुल गांधी अपने अनेक प्रतिरोधी राजनीतिक प्रयासों से अपनी छवि विकसित करते रहते हैं। उनकी छवियां अभी विकसित होने के क्रम में हैं। वे छवियां अभी प्रतीक में नहीं बदल पाई हैं, जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी की छवियों के साथ हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अनेक छवियां एक में सम्मिलित होकर प्रतीक में बदल कर अपना प्रभाव सृजित करती हैं। राहुल गांधी की कई छवियां या तो अभी विकास की प्रक्रिया में हैं या जो विकसित हैं, उनका अभी संघनित सम्मिलन नहीं हो पाया है। उनकी विद्यमान छवियों एवं युवाओं के एक वर्ग में-उनसे की जाने वाली अपेक्षाओं में अंतर्विरोध देखने को मिलता है। कई युवा उनके 'एंग्री यंग मैन की छवि से सहमत नहीं दिखे। उन्हें अपेक्षा है कि उनकी छवि राजीव गांधी जैसी सौम्यता वाली हो। मनमोहन सिंह की सरकार के वक्त बिल फाड़ने की घटना का जिक्र करते कई युवा मिले। उनकी छवि निर्माण के सलाहकार शायद यह सोचते हों कि भारतीय युवाओं को गुस्सा पसंद होता है। वे ऐसा सोचकर यह समझने में गलती करते हैं कि भारतीय मानस की आकांक्षा समाहार की होती है, टकराव की नहीं। भारत जोड़ो यात्रा से विपक्ष की राजनीति के प्रतीकात्मक नेतृत्व के रूप में राहुल गांधी की छवियों का विकास एवं विस्तार तो हुआ है, किंतु उन बहुल छवियों को एकीकृत हो एक राजनीतिक प्रतीक में बदलना अभी शेष है। जब तक छवियां प्रतीक में नहीं बदलतीं, वे दीर्घकालिक प्रभाव नहीं छोड़तीं। उनका प्रभाव क्षणिक होता है। आज राजनीतिक नेताओं की छवियों में परिवर्तन की गति तेज है। इसका प्रमुख कारण है- साइबर स्पेस, मीडिया-वैकल्पिक मीडिया, सोशल साइट्स का विकास एवं विस्तार। भारतीय युवा मानस चूंकि इस 'संचार नेटवर्क% का सबसे बड़ा उपभोक्ता है, अतः उसके मानस में छवियों के परिवर्तन की गति ज्यादा तीव्र होती है। राजनीतिक नेताओं की बनती-बिगड़ती छवियां हर बार की तरह इस बार भी भारतीय चुनावों को प्रभावित करेंगी। देखना है, इस बार इनका प्रभाव कैसा होता है एवं किस प्रकार वे चुनाव परिणामों में परिवर्तन ला पाती हैं।

चांदी का मुकुट और रुद्राक्ष की माला, भस्म आरती में साफा बांधकर सजे बाबा महाकाल, करें दिव्य दर्शन

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आज फाल्गुन कर्ष्णि पक्ष की तृतीया पर मंगलवार तड़के भस्म आरती के दौरान चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पुजारी ने गर्भगृह मे स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन कर भगवान महाकाल का दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से जलाभिषेक किया। प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया और फिर कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को रजत का मुकुट और रुद्राक्ष की माला धारण करवाई गई। भस्म आरती में बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के इस दिव्य स्वरूप के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी से मंदिर परिसर जय श्री महाकाल की गूंज से गुंजायमान हो गया। छत्तीसगढ़ के भक्त ने दिया 1 लाख का दान श्री महाकालेश्वर मंदिर में छत्तीसगढ़ के अभनपुर से भस्मार्ती के लिए आए गोपी कुमार साहू द्वारा श्री महाकालेश्वर मंदिर में चल रहे विकास कार्य के लिए पुजारी संजय शर्मा और मंदिर प्रबंध समिति के भस्मार्ती प्रभारी की प्रेरणा से 1 लाख रुपये का चेक दिया गया। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के भस्मार्ती प्रभारी आशीष दुबे ने दानदाता का सम्मान किया गया। बाबा महाकाल का श्रृंगार भांग से किया गया, इस श्रंगार की विशेषता यह रही कि ड्रायफ्रूट से बाबा महाकाल को सजाया गया और उन्हें चांदी के बिल्व पत्र अर्पित कर साफा भी बांधा गया। जिसके बाद बाबा महाकाल के ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्म रमाई गई। भस्म अर्पित करने के पश्चात भगवान महाकाल को रजत की मुण्डमाल और रुद्राक्ष की माला के साथ सुगंधित पुष्पों की माला अर्पित कर फल-मिष्ठान का भोग लगाया गया।

अर्थव्यवस्थाः बीते दशक में बैंकिंग और आर्थिक क्षेत्र में कई सुधार, बदलते चेहरे के साथ तेज विकास की संभावना

मोदी सरकार ने सत्ता में आने के बाद बैंकिंग और आर्थिक क्षेत्र में कई सुधार किए, जिसके चलते अर्थव्यवस्था में आगे भी तीव्र विकास की संभावना है। वर्ष 1991 से देश में आर्थिक सुधार का शुभारंभ हुआ था, लेकिन इस दिशा में अब तेजी से कार्य किए जा रहे हैं। 1991 में विदेश व्यापार, कर सुधार, विदेशी निवेश आदि क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए अनेक उपाय किए गए, जिनसे भारतीय अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ने में मदद मिली। मोदी सरकार के 2014 में सत्ता में आने से पहले, यानी 2013 में वर्तमान मूल्य पर भारत की जीडीपी 18 खरब डॉलर और 2007 में लगभग 10 खरब डॉलर थी। इस तरह, 1947 से ठीक 60 वर्षों बाद भारत की जीडीपी 2007 में 10 खरब डॉलर की हुई। आज रियल जीडीपी के हिसाब से भी भारतीय अर्थव्यवस्था 30 खरब डॉलर की हो गई है। 2014 में भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की दसवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी, जबकि 2019 में, यानी सिर्फ पांच वर्षों के भीतर यह दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में श्वेत पत्र के माध्यम से यूपीए सरकार के कार्यकाल की नाकामियों और मोदी सरकार के कार्यकाल की उपलब्धियों को आम जनता के समक्ष रखते हुए बताया कि 2014 से पहले देश आर्थिक संकट का सामना कर रहा था, जिसके कारण अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने में मोदी सरकार को बहुत ज्यादा मशक्कत करनी पड़ी। इसके जवाब में कांग्रेस ने ब्लैक पेपर पेश किया, जिसमें मोदी सरकार की नाकामियों का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि भाजपा लोकतंत्र को समाप्त करने का काम कर रही है और इसके कार्यकाल में बेरोजगारी और महंगाई बढ़ी है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अनुसार, भारत की जीडीपी वर्तमान मूल्य पर अभी 37.3 खरब डॉलर की है, जबकि आजादी के समय भारत की जीडीपी 227 अरब डॉलर की थी। मोदी सरकार ने सत्ता में आने के बाद बैंकिंग और आर्थिक क्षेत्र में कई सुधार किए, जिसमें सबसे महत्वपूर्ण है वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का शुभारंभ, बैंकों का आपस में विलय, प्रधानमंत्री जनधन योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, पीएम-स्वनिधि योजना, अटल पेंशन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता कोड (आईबीसी) आदि का आगाज।ए रिव्यू रिपोर्ट में मोदी सरकार के पिछले 10 वर्षों के सफर को आर्थिक सुधारों के संदर्भ में बहुत ही अहम बताया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025 में नॉमिनल जीडीपी के सात प्रतिशत रहने की संभावना है, जबकि वित्त वर्ष 2024 में जीडीपी के 7.3 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ने का अनुमान जताया गया है। यही नहीं, यह संभावना भी जताई गई है कि भारत की जीडीपी 2030 तक सात प्रतिशत की दर से आगे बढ़ सकती है। वैश्विक रेटिंग एजेंसी एसऐंडपी ग्लोबल ने भी भारत के वित्तीय क्षेत्र में आई मजबूती और सरकार द्वारा किए गए हालिया संरचनात्मक सुधारों की वजह से सरकार के इस दावे की पुष्टि की है। ऐसे में, 2027 में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 50 खरब डॉलर और 2030 में 70 खरब डॉलर से भी अधिक का हो जाएगा। पीपीपी के मामले में 2023 में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था, जबकि चीन और अमेरिका क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर थे। अस्सी के दशक में पहली बार, वित्त वर्ष 1989-90 में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) सूचकांक ने 1,000 के अंक के स्तर को पार किया था। वर्ष 2006 में बीएसई सूचकांक ने 10,000 अंक के स्तर को पार किया। फिर वित्त वर्ष 2014-15 में यह 30,000 अंक के स्तर को और वित्त वर्ष 2018-19 में 40,000 अंक के स्तर को पार किया। वित्त वर्ष 2023 में रिकॉर्ड 70,000 अंक के स्तर को पार कर गया। निफ्टी सूचकांक भी वर्ष 2023 में रिकॉर्ड 21,000 अंक के स्तर को पार कर गया। भारत में मुद्रास्फीति और बेरोजगारी दर नियंत्रण में है। इसके अलावा, प्रति व्यक्ति आय में भी निरंतर वृद्धि हो रही है। ऐसे में उम्मीद की जा सकती है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में आगामी वर्षों में भी मजबूती बनी रहेगी। बेशक जीडीपी के अनुपात में सरकारी कर्ज का प्रतिशत अधिक है, लेकिन वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) और अन्य कर व गैर-कर राजस्व संग्रह में आ रही तेजी से इसमें आने वाले वर्षों में कुछ कमी आने की संभावना है।

महाशिवरात्रि पर करें ये उपाय, प्रसन्न होंगे महादेव और हर मनोकामना होगी पूरी

हिंदू पंचांग के अनुसार हर वर्ष फाल्गुन मास में कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को महाशिवरात्रि का पावन पर्व मनाया जाता है। इस वर्ष महाशिवरात्रि का पर्व 8 मार्च 2024 को है। शिव भक्तों के लिए यह दिन बेहद ही खास होता है। इस दिन शिव जी के भक्त व्रत रखते हैं और विधि-विधान से पूजा करते हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था, इसलिए महाशिवरात्रि के पर्व का बहुत ज्यादा महत्व है। इस दिन रात्रि जागरण करके चारों प्रहर पूजा-आराधना करने का विधान है। भगवान शिव की कृपा प्राप्त करने के लिए यह दिन बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन सच्ची निष्ठा से पूजा आराधना करने से भगवान शिव अपने भक्तों की सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करते हैं। साथ ही इस दिन कुछ विशेष उपाय करके आप धन, नौकरी और व्यापार से संबंधित समस्याओं से मुक्ति पा सकते हैं।महाशिवरात्रि के दिन शिवलिंग का दही और गन्ने के रस से रुद्राभिषेक करें। ऐसा करने से धन संपत्ति में बढ़ोतरी होती है। साथ ही शिवलिंग का शहद और घी से अभिषेक करें। यह भी धन प्राप्ति के लिए अच्छा माना जाता है। वहीं यदि आपका धन कहीं रुका हुआ है, तो महाशिवरात्रि के दिन शिव जी के वाहन नंदी को हरा चारा खिलाना चाहिए।

वंतारा पहल के लिए करीना ने की अनंत अंबानी की प्रशंसा

रिलायंस फाउंडेशन के कदम को बताया सराहनीय

गुजरात के जामनगर में रिलायंस फाउंडेशन ने वंतारा नामक एक व्यापक पशु बचाव, देखभाल, संरक्षण और पुनर्वास कार्यक्रम की घोषणा की है। वंतारा कार्यक्रम के बारे में अनंत अंबानी ने खुलकर बात की है। इसे लेकर करीना कपूर खान ने उनकी प्रशंसा की है। रिलायंस फाउंडेशन के इस कदम की सराहना करते हुए करीना ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया है। साथ ही एक हाथी के बारे में भी बात की जिसे इस पहल के तहत बचाया गया था। करीना कपूर खान ने अपने इंस्टाग्राम पर हाथी की तस्वीरें साझा कर एक नोट लिखा है। बेबो ने अपने पोस्ट में लिखा, वंतारा ने पशु कल्याण के लिए कदम उठाकर 200 से अधिक हाथियों और हजारों अन्य जानवरों, सरीसृपों और पक्षियों को बचाया है। इसके साथ ही उन्होंने इस कदम के लिए अनंत और टीम की ऐसी अद्भुत पहल के लिए उनकी प्रशंसा की है। इस पहल के तहत इलाज किए गए एक हाथी के बारे में बात करते हुए करीना ने कहा कि पहल में शामिल डॉक्टरों ने टार्जन नाम के एक हाथी की सफलतापूर्वक मोतियाबिंद की सर्जरी की और उसकी दृष्टि बहाल करने में मदद की। उन्होंने लिखा, यह टार्जन है, एक युवा हाथी, जिसने हाल ही में सफल मोतियाबिंद सर्जरी के बाद के परिवर्तन का अनुभव किया। उसकी दृष्टि बहाल हो गई है। करीना ने आगे लिखा, यह वंतारा में होने वाली कई अद्भुत कहानियों में से एक है, जो रिलायंस फाउंडेशन की एक पहल है, जो घरेलू और वैश्विक स्तर पर घायल और बीमार जानवरों को बचाती है। उनका इलाज करती है और उन्हें सही करती है। करीना के वर्कफ्रंट की बात करें तो इन दिनों वह अपनी आगामी फिल्म द क्रू को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। फिल्म का टीजर और पोस्टर रिलीज किए जा चुके हैं। करीना के साथ इस फिल्म में कृति सेनन और तब्बू भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। तीनों अभिनेत्रियों के एयर होस्टेस लुक को दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। फैंस को द क्रू की टीजर और पोस्टर देखने के बाद इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। ये फिल्म 29 मार्च को रिलीज होगी।

निजी कार्यक्रमों के लिए मोटी फीस लेते हैं ये सितारे

फिल्मी सितारे अपने अदाकारी से लोगों का मनोरंजन करने की पूरी कोशिश करते हैं। वहीं, बीते कुछ वर्षों से बॉलीवुड की मशहूर हस्तियों को निजी समारोहों में बुलाने का ट्रेंड भी देखने को मिला है। शाहरुख खान से लेकर कैटरीना कैफ तक, मशहूर हस्तियां अक्सर कार्यक्रमों की शोभा बढ़ाती नजर आती हैं। इन सेलेब्स के पास वक्त की काफी कमी होती है, ऐसे में किसी भी निजी पार्टी में शामिल होने के लिए ये सितारे मोटी फीस चार्ज करते हैं। आइए जानते हैं कि प्राइवेट इवेंट के लिए कौन से स्टार कितनी फीस लेते हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैफ बॉलीवुड की सबसे खूबसूरत अभिनेत्रियों में से एक हैं। उनकी फैन फॉलोइंग काफी ज्यादा है। अभिनय के साथ वे अपने डांसिंग के लिए भी काफी मशहूर हैं। शीला की जवानी, चिकनी चमेली, कमली जैसे गानों में उन्होंने जबर्दस्त डांस कर लोगों के दिल जीत लिए थे। निजी कार्यक्रमों में स्टेज पर परफॉर्म करने के लिए कैटरीना मोटी रकम वसूती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी फीस तीन करोड़ 50 लाख रुपये है। शाहरुख खान को बॉलीवुड का बादशाह भी कहा जाता है। अभिनेता अपनी फिल्मों से लोगों के दिलों पर राज करते हैं। फिल्मों के अलावा किंग खान प्राइवेट इवेंट में भी परफॉर्म करते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ऐसे समारोहों के लिए उनकी फीस तीन करोड़ रुपये है। हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में खिलाड़ी के नाम से मशहूर अक्षय कुमार सबसे व्यस्त अभिनेताओं में से एक हैं। वे साल में कई फिल्मों में काम करते हैं। इसके बावजूद वे प्राइवेट इवेंट में परफॉर्म करने के लिए वक्त भी निकाल लेते हैं। रिपोर्ट्स के दावों की मानें तो इस प्रकार के इवेंट के लिए वे दो करोड़ 50 लाख रुपये की फीस लेते हैं। हैंडसम हंक ऋतिक रोशन हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के सबसे प्रतिभाशाली व्यक्तियों में से एक हैं। एक्टिंग के साथ अपने डांस से भी वे लोगों के दिलों पर राज करते हैं। प्राइवेट इवेंट के लिए मोटी फीस चार्ज करने में वे दूसरे सितारों से पीछे नहीं हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वे बर्थडे पार्टी, शादी या किसी निजी समारोह में डांस करने के लिए दो करोड़ 50 लाख रुपये की फीस लेते हैं।

रीमेक हैं बॉलीवुड की ये हॉरर फिल्में, लिस्ट के नाम देख नहीं होगा यकीन

भारतीय सिनेमा में हर साल सैकड़ो की संख्या में फिल्में बनती हैं। इनमें कॉमेडी रोमांस, एक्शन और हॉरर समेत कई शैलियों की फिल्में लोगों को देखने को मिलती हैं। देश में डरावनी फिल्मों का भी एक अलग फैन बेस है। दर्शकों को इस तरह की फिल्में काफी पसंद आती है। हालांकि, कई बार यह फिल्में किसी न किसी मूवी की रीमेक होती हैं। जल्द ही अजय देवगन और आर माधवन की शैतान रिलीज होने वाली है। हाल ही में इसका ट्रेलर जारी किया गया था, जिसे लोगों ने खूब पसंद किया है। ऐसे में आज हम आपको उन फिल्मों हिंदी हॉरर फिल्मों के बारे में बताने जा रहे हैं जो रीमेक हैं। मणिचित्राथजु एक कल्ट क्लासिक फिल्म है। साल 1993 में रिलीज हुई इस फिल्म का निर्देशन फाजिल ने किया था। इसमें मोहनलाल, सुरेश गोपी और शोभना ने मुख्य भूमिका निभाई थी। आगे चलकर इस फिल्म का बॉलीवुड में रीमेक भी बना, जिसमें अक्षय कुमार और विद्या बालन नजर आए थे। फिल्म का नाम भूल भुलैया जो बॉक्स ऑफिस पर काफी सफल रही थी। राघव लॉरेंस की कंचना एक हॉरर-कॉमेडी थी, जो दर्शकों को काफी पसंद आई थी। बाद में, इस फिल्म को हिंदी में फिर से बनाया गया, जिसमें अक्षय कुमार और कियारा आडवाणी नजर आए थे।

आरआरआर के लिए अजय देवगन ने 1 मिनट का चार्ज किया था 4 करोड़ रुपये फिल्म में किया था इतने मिनट का कैमियो

नई दिल्ली बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन अपनी अपकमिंग फिल्म 'शैतान' की वजह से सुर्खियों में बने हुए हैं। उनकी यह फिल्म 8 मार्च के दिन सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। इसमें अजय के अलावा आर माधवन भी नजर आएंगे हैं। 'शैतान' की चर्चा के बीच 'आरआरआर' की लाइमलाइट चुरा रही है। दरअसल, सोशल मीडिया पर यह दावा किया जा रहा है कि अजय ने इस फिल्म के लिए काफी मोटी रकम वसूली थी। कितनी चलिए बताते हैं।

एक मिनट के लिए चार्ज किए इतने अजय ने एसएस राजामौली की फिल्म 'आरआरआर' में तकरीबन आठ मिनट का कैमियो किया था। साल 2022 में आई सियासत की रिपोर्ट में यह दावा किया गया था कि अजय ने इस आठ मिनट के कैमियो के लिए एसएस राजामौली से 25 करोड़ रुपये की फीस ली थी।

औरों में कहां दम था की रिलीज डेट बदली

अब कब दस्तक देगी अजय-तब्बू की फिल्म?

लेखक और निर्देशक नीरज पांडे की छठी निर्देशित फिल्म औरों में कहां दम था 26 अप्रैल 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली थी। इस फिल्म में ब्लॉकबस्टर जोड़ी अजय देवगन और तब्बू नजर आने वाले हैं। यह फिल्म 2002 से 2023 के बीच सेट, 20 सालों तक फैले एक महाकाव्य रोमांटिक ड्रामा के साथ एक अनूठी संगीतमय प्रेम कहानी होने का वादा करती है। यह एक बहुभाषी रिलीज होगी। हालांकि, अब जानकारी आ रही है कि फैंस को इस फिल्म का और लंबा इंतजार करना पड़ेगा क्योंकि इसकी रिलीज डेट आगे खिसका दी गई है।

औरों में कहां दम था की रिलीज डेट बदली?

ए वेडनसडे, स्पेशल 26, बेबी और एमएस धोनी- द अनटोल्ड स्टोरी जैसी फिल्में बनाने के बाद, बड़े पर्दे के लिए नीरज पांडे की अगली फिल्म एक रोमांटिक थ्रिलर है, जिसका नाम औरों में कहां दम था है। इस मूवी में जिमी शेरगिल और सई मांजरेकर के साथ अजय देवगन और तब्बू मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म फिलहाल पोस्ट-प्रोडक्शन स्टेज में है। सोशल मीडिया पर नीरज पांडे की इस थ्रिलर फिल्म की संभावित रिलीज डेट को लेकर चर्चा चल रही है। वहीं, एक हालिया इंटरव्यू में नीरज पांडे ने औरों में कहां दम था की रिलीज पर अपडेट दिया है।

नीरज पांडे ने दिया अपडेट

फिल्म निर्माता नीरज पांडे ने कहा, औरों में कहां दम था एक संगीतमय प्रेम कहानी है और जून में रिलीज होगी। मैं इस वक्त केवल इतनी ही जानकारी साझा कर सकता हूं। रिलीज की तारीख की घोषणा करने के लिए हम जल्द ही एक टीजर और ट्रेलर लाएंगे। यह फिल्म अजय देवगन के साथ नीरज पांडे के पहले सहयोग का प्रतीक है और इसका निर्माण कुमार मंगत ने नीरज पांडे और नरेंद्र हीरावत के साथ मिलकर किया है।

अजय देवगन का वर्कफ्रंट

औरों में कहां दम था के स्थगित होने का मुख्य कारण अजय देवगन का व्यस्त कार्यक्रम है। आने वाले 45 दिनों में अजय देवगन की मैदान और शैतान रिलीज होने वाली है। साल 2024 में अजय देवगन की छह फिल्में रिलीज होनी हैं। 2024 में, अजय देवगन ने अपनी पांच फिल्मों की रिलीज की तारीखें तय कीं, जिनमें से शुरुआत शैतान से हुई, इसके बाद सिंघम अगेन, औरों में कहां दम था, मैदान और रेड 2 शामिल हैं।

पंकज उधास ने गजल को दी नई पहचान

नई दिल्ली- पंकज उधास का नाम भारत के मशहूर गजल गायकों की लिस्ट में शुमार था. 72 साल की उम्र में उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया है. बताया जा रहा है कि आज सुबह 11 बजे मुंबई के ब्रीच क्रैंडी अस्पताल में उनका निधन हो गया, जहां वह काफी दिनों से भरती थे.गजल गायक के निधन के बाद से उनके चाहने वाले सदमे में हैं और लगातार सोशल मीडिया पर पोस्ट पर उन्हें श्रधांजलि दे रहे हैं. बता दें, गजल की दुनिया में पंकज उधास का बड़ा नाम थे और लोग उनके गजलों के दीवाने थे. उनके निधन की जानकारी उनके परिवार वालों ट्वीट कर दी. बता दें, पंकज उधास हिंदी सिनेमा और भारतीय पॉप में अपने काम के लिए जाने जाते थे. उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 1980 में 'आहट' नामक एक गजल एल्बम के रिलीज के साथ की और बाद में

1981 में मुकरार, 1982 में तरन्नुम, 1983 में महफिल, 1984 में रॉयल अल्बर्ट हॉल में पंकज उधास लाइव, 1985 में नायाब और 1986 में आफरीन जैसी कई हिट फिल्में रिकॉर्ड की. गजल गायक के रूप में उनकी सफलता के बाद, उन्हें महेश भट्ट की एक फिल्म, नाम में अभिनय करने और गाने के लिए आमंत्रित किया गया. उधास को 1986 की फिल्म नाम में गाने से प्रसिद्धि मिली, जिसमें उनका गाना 'चिट्ठी आई है' तुरंत हिट हो गया था.

यामी की आर्टिकल 370 का जलवा बरकरार पहले सोमवार ही पटरी से लड़खड़ाई क्रैक

सिनेमाघरों में हमेशा कई फिल्में लगी रहती हैं, जो दर्शकों का मनोरंजन कराती हैं। इस महीने कई मशहूर सितारों की फिल्में सिनेमाघरों में लोगों के मनोरंजन के लिए लगी हुई हैं। जनवरी में रिलीज हुई ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की फाइटर अभी तक टिकी हुई है। वहीं, 9 फरवरी को रिलीज हुई शाहिद कपूर की तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया भी दर्शकों को बेहद पसंद आ रही है। वहीं, इस शुक्रवार को सिनेमाघरों में यामी गौतम की आर्टिकल 370 और विद्युत जामवाल की क्रैक ने भी दस्तक दी है। ये सभी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर एक-दूसरे को पछाड़ने में लगी हैं। तो आइए जानते हैं सोमवार को इन फिल्मों ने कैसा प्रदर्शन किया...यामी गौतम स्टारर आर्टिकल 370 को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। फिल्म में यामी और प्रियामणि के अभिनय प्रदर्शन की भी जमकर तारीफ हो रही है। ओपनिंग डे पर फिल्म ने अछी कमाई की थी, लेकिन इसके बाद फिल्म की कमाई में जबर्दस्त उछाल देखने को मिला है। यामी गौतम की फिल्म आर्टिकल 370 मंडे टेस्ट में पास हो गई है। सोमवार को यानी चौथे दिन फिल्म ने 3.25 करोड़ रुपये की कमाई की है। इसी के साथ ही फिल्म ने 26.15 करोड़ रुपये का टोटल कलेक्शन कर लिया है। विद्युत जामवाल और अर्जुन रामपाल स्टारर क्रैक जीतेगा तो जिएगा सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म में विद्युत और अर्जुन के साथ नोरा फतेही भी एक्शन अवतार में नजर आई हैं। शुक्रवार को रिलीज हुई इस फिल्म ने ओपनिंग डे पर जबर्दस्त कमाई की थी। हालांकि, बाद में फिल्म की कमाई धीमी हो गई है। क्रैक ने ओपनिंग डे पर 4.25 करोड़ कमाए थे। इस बाद इसकी कमाई में गिरावट देखने को मिली है। चौथे दिन क्रैक ने एक करोड़ की कमाई की है। इसी के साथ ही फिल्म ने 9.70 करोड़ रुपये का टोटल कलेक्शन कर लिया है। शाहिद कपूर और कृति सेनन की फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया दर्शकों को काफी पसंद आ रही है। इस फिल्म में पहली बार बड़े पर्दे पर शाहिद-कृति की जोड़ी देखने को मिली है। फिल्म में कृति सेनन ने रोबोट का किरदार निभाया है। फिल्म की कमाई की बात करें फिल्म कमाई के मामले में अब तक अछा प्रदर्शन कर रही थी। हालांकि, अब फिल्म की कमाई पर ब्रेक लगता दिखता रहा है। फिल्म ने 18वें दिन महज 8 लाख रुपये की कमाई की है।

लॉकडाउन के समय रास्ते में फंसी बारात की कहानी है 'कुसुम का बियाह'

मुंबई कोरोना महामारी और लॉक डाउन के बैकग्राउंड पर बनी निर्देशक शुवेंदु राज घोष की फिल्म 'कुसुम का बियाह' काफी रियलिस्टिक है। एक सच्ची घटना पर बनी इस फ़िल्म की कहानी में दिलचस्पी भी है, दर्द है, कॉमिक क्षण भी हैं। इस शुक्रवार एक मार्च को बड़े पर्दे पर रिलीज हो रही 'कुसुम का बियाह' के बारे में आइए जानते है कैसी है यह फिल्म। कोरोनाकाल में लॉकडाउन के समय कई परिवार बुरी तरह फंस गए थे। यह फ़िल्म बिहार से झारखंड जा रही एक बारात के रास्ते में फंस जाने की सच्ची घटना पर आधारित है। फिल्म में लॉक डाउन के दौरान दो राज्यों के बॉर्डर पर फंसी कुसुम की बारात को बड़े ही एंटरटेनिंग ढंग से दर्शाया गया है। बहुत सारी परेशानी के बाद फ़िल्म के नायक सुनील की शादी तय होने पर परिवार के लोग बहुत खुश होते हैं लेकिन शादी के दिन अचानक देश भर में लॉक डाउन लग जाता है। अब ऐसे हालात में क्या होता है यही फ़िल्म का सार है।फ़िल्म के सभी कलाकारों ने प्रभावी अभिनय किया है। निर्देशक शुवेंदु राज घोष का काम भी सराहनीय है। ऐसी कहानी को पर्दे पर इन्होंने बखूबी पेश किया है। कई सीन जहां आंखों में नमी ले आते हैं तो कई बार हंसी भी आ जाती है। निर्देशक ने फ़िल्म के जरिये दर्शकों को पूरी तरह बांध कर रखा है। फ़िल्म में कुसुम की भूमिका सिक्किम की सुजाना दार्जी ने बहुत ही रियल ढंग से निभाई है। लवकेश गर्ग ने कुसुम के पति के रोल में जान डाल दी है। निर्माता प्रदीप चोपड़ा की भी फ़िल्म में महत्वपूर्ण भूमिका है। उनके अभिनय में बहुत स्वाभाविकता है। एक गरीब परिवार के मुखिया के किरदार को उन्होंने पर्दे पर जीवंत कर दिया है। एक दृश्य में वह अपनी बहू को उनके कंगन बेचने से मना करते हैं, जो बहुत मार्मिक है। इनके अलावा राजा सरकार, सुहानी बिस्वास, पुण्य दर्शन गुप्ता, रोज़ी रॉय भी अहम किरदारों में दिखाई देते हैं। फिल्म की कहानी, पटकथा और संवाद लेखक विकाश दुबे और संदीप दुबे हैं, जबकि इसके गीतकार संगीतकार भानु प्रताप सिंह हैं। फ़िल्म के कार्यकारी निर्माता चंदन साहू, डीओपी सौरव बनर्जी, एडिटर राज सिंह सिधू हैं। सीमित बजट और संसाधनों में भी कैसे एक अच्छी कहानी को पर्दे पर प्रस्तुत किया जा सकता है, इसके लिए आपको फ़िल्म 'कुसुम का बियाह' देखना चाहिए।

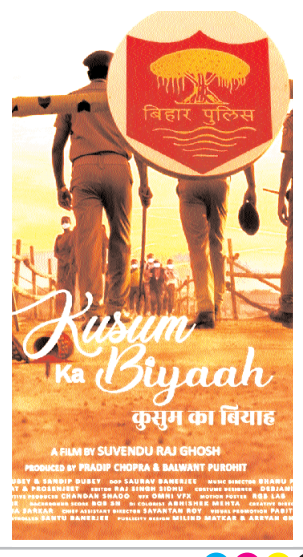

गजल गायक पंकज उधास का निधन, पैंक्रियाज के कैंसर से जूझ रहे थे सिंगर, मुंबई में हुआ अंतिम संस्कार

पंकज उधास यानी गजलों की दुनिया का वो नाम जिनकी मखमली आवाज हर शमा को रोशन कर जाए। हर टूटे दिल को, तन्हा दिल को पुरसुकून कर जाए। दिल को छू लेने वाली वो रूहानी सी आवाज हमेशा के लिए रुखसत ले चुकी है। पंकज उधास दुनिया को छोड़ कर जा चुके हैं लेकिन शेर, शायरी और गजलों की महफिल जब भी सजेगी उनकी आवाज के बिना मुकम्मल न हो सकेगी। ओ परदेस को जाने वाले....

...लौट कर ना आने वाले

मुंबई। 'ना कजरे की धार', 'चिट्ठी आई है...', 'चांदी जैसा रंग है तेरा' जैसे न जाने कितने ही गानों को अपनी आवाज देने वाले गजल गायिकी की दुनिया के बड़े नाम और पद्मश्री से सम्मानित पंकज उधास का 72 साल की उम्र में सोमवार को निधन हो गया। उनकी बेटी नयाब उधास ने लिखा- भारी दिल के साथ आप सभी को यह दुखद समाचार देना पड़ रहा है कि पद्मश्री पंकज उधास अब नहीं रहे। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उन्होंने सोमवार सुबह 11 बजे मुंबई के ब्रीच क्रैंडी अस्पताल में आखिरी सांस ली। बताया जा रहा है कि पंकज उधास को कुछ महीने पहले कैंसर डिटेक्ट हुआ था और वे पिछले कुछ महीनों से किसी से मिल नहीं रहे थे। अंतिम संस्कार मंगलवार को मुंबई में आज हुआ। सिंगर अनूप जलोटा ने इस बात की पुष्टि की है कि पंकज उधास को पैंक्रियाज का कैंसर था। उन्हें चार महीने पहले ही इसके बारे में पता चल गया था। सिंगर पंकज उधास का जन्म गुजरात के जेतपुर में 17 मई 1951 को हुआ था। 1980 में गजल एल्बम 'आहट' से शुरुआत करने के बाद उन्होंने 'मुकरार', 'तरन्नुम' और 'महफिल' जैसे एल्बम से पॉप्युलैरिटी हासिल की थी। तीन साल में ही उन्होंने मनोरंजन जगत में अपनी पहचान बना ली थी। इसके अलावा पंकज उधास ने महेश भट्ट की फिल्म 'नाम' में गाना 'चिट्ठी आई है' गाया और वह रातोंरात सुपरहिट हो गया। पंकज उधास तीन भाई थे और सबसे छोटे थे। पिता का नाम केशुभाई उधास और मां का नाम जितुबेन उधास हैं। इनके बड़े भाई मनहर उधास भी जाने-माने बॉलीवुड के सिंगर हैं। भावनगर से स्कूलिंग करने के बाद मुंबई के सेंट जेवियर्स कॉलेज से ग्रेजुएशन किया। वहीं, इनके पिता केशुभाई उधास एक सरकारी कर्मचारी थे। केशुभाई की मुलाकात प्रसिद्ध वीणा वादक अब्दुल करीम खान से हुई थी, जिन्होंने बाद में पंकज को 'दिलरुबा' वाद्ययंत्र बजाना सिखाया था।

1986 में 'चिट्ठी आई है...' से मिली शोहरत

पंकज उधास गजल गायिकी की दुनिया में एक बड़ा नाम थे। उन्हें चिट्ठी आई है गजल से शोहरत मिली। यह गजल 1986 में रिलीज हुई फिल्म नाम में थी। पंकज ने कई गजलों को अपनी आवाज दी जिनमें ये दिल्लगी, फिर तेरी कहानी याद आई, चले तो कट ही जाएगा और तेरे बिन शामिल है। इसे अलावा ना कजरे की धार, चांदी जैसा रंग है तेरा, पंकज के यादगार गानों में से एक हैं।

2006 में मिला पद्मश्री अवॉर्ड

पंकज उधास ने सिंगिंग में अपना लोहा मनवाया और अपनी बेहतरीन आवाज के लिए उन्हें कई अवॉर्ड्स से सम्मानित किया गया। इनमें सबसे अहम पद्मश्री अवॉर्ड है जो कि उन्हें 2006 में दिया गया था।

वह पहला गाना...

पंकज ने कभी नहीं सोचा था कि वे अपना करियर सिंगिंग में बनाएंगे। उन दिनों भारत और चीन के बीच युद्ध चल रहा था। इसी दौरान लता मंगेशकर का ऐ मेरे वतन के लोगों गाना रिलीज हुआ था। पंकज ने ऐ मेरे वतन के लोगों गाना गया। उनके इस गीत से वहां बैठे सभी लोगों की आंखें नम हो गईं। उन्हें खूब वाहवाही भी मिली। दर्शकों में से एक आदमी ने खड़े होकर उनके लिए ताली बजाई और इनाम में उन्हें 51 रुपए दिए।

परिवार का सिंगिंग बैकग्राउंड

पंकज उधास का जन्म 17 मई 1951 को गुजरात के जेतपुर में हुआ था। उनका परिवार राजकोट के पास चरखाड़ी नाम के एक कस्बे का रहने वाला था। उनके दादा जमींदार और भावनगर राज्य के दीवान थे। उनके पिता केशुभाई उधास सरकारी कर्मचारी थे। पिता को इसराज बजाने और मां जीतूबेन को गाने का शौक था। इसके चलते पंकज उधास समेत उनके दोनों भाइयों का रुझान संगीत की तरफ हमेशा से रहा। उनके बड़े भाई मनहर उधास बॉलीवुड में पहले से ही प्लेबैक सिंगर के तौर पर जाने जाते थे। उनके दूसरे भाई निर्मल उधास भी एक बेहतरीन गजल गायक थे।

संगीत एकेडमी से पढ़ाई की

पंकज के दोनों भाई मनहर और निर्जल उधास म्यूजिक इंडस्ट्री में जाना-पहचाना नाम हैं। पंकज के बाद पेरेंट्स को लगा कि पंकज भी अपने भाइयों की तरह म्यूजिक फील्ड में कुछ बेहतर कर सकते हैं, जिसके बाद पेरेंट्स ने उनका एडमिशन राजकोट में संगीत एकेडमी में करा दिया।

काम नहीं मिला तो विदेश गए

संगीत एकेडमी से कोर्स पूरा करने के बाद पंकज कई बड़े स्टेज शो पर परफॉर्मेंस करते थे। वो अपने भाइयों की तरह ही बॉलीवुड में जगह बनाना चाहते थे। उन्होंने 4 साल संघर्ष किया, लेकिन इस दौरान उन्हें कोई बड़ा काम नहीं मिला। उन्होंने फिल्म कामना में अपने एक गाने को आवाज दी थी, लेकिन फिल्म फ्लॉप हो गई, जिस वजह से उन्हें पॉपुलैरिटी नहीं मिली। काम न मिलने से दुखी होकर उन्होंने विदेश जाने का फैसला कर लिया था।

पंकज उधास की खास गजलें

चिट्ठी आई है, आई है...

पंकज उधास की सबसे खूबसूरत गजलों की बात करे तो सबसे पहले आती है फिल्म नाम की गजल चिट्ठी आई है। यह वो गजल है जिसने हर उस दिल के तार छेड़े जो अपने वतन से दूर किसी और मुल्क में दिन गुजार रहे थे। अपनों से दूर रहने का दर्द क्या होता है वो इस गजल से साफ छलकता है।

ए गमे जिंदगी कुछ तो दे मशवरा...

एक टूटा हुआ दिल हो तो उसका सहारा मयकदा ही होता है। ऐसे में यह सवाल कितना मौजू सा है कि एक तरफ उसका घर और एक तरफ मयकदा। पंकज उधास अपनी मीठी सी आवाज में जिंदगी से यही गुजारिश कर रहे हैं कि किसे चुने, सही मशवरा तो दे।

चांदी जैसा रंग है तेरा...

अपने महबूब की तारीफ करना हो तो इससे बेहतर और खूबसूरत अल्फाज क्या होंगे। रंग चांदी जैसा और बाल सोने से चमकते हुए। जब इन लफ्जों के साथ तारीफ होगी तो भला कौन रूठा रहेगा।

और आहिस्ता कीजिए बातें...

जब दो दिल मिले और गुफ्तगू का सिलसिला छिड़े तो बातें आहिस्ता करना जरूरी है। क्यों जरूरी है यह जानना है तो आपको पंकज उधास की आवाज से सजी गजल और आहिस्ता कीजिए बातें... जरूर सुननी चाहिए।

जिएं तो जिएं कैसे...

इस सवाल का जवाब हर वो दिल जानना चाहता है जिसका महबूब उसे धोखा देकर गया है। क्योंकि दिल ऐसा बेमुरव्वत है जो किसी और का हो तो अपना नहीं रहता और जब तन्हा होता है तो बार बार एक ही बात कहता है कि लगता नहीं दिल कहीं, बिन आपके...

थोड़ी थोड़ी पिया करो...

पंकज उधास की यह गजल शायद ही कोई होगा जिसने न सुनी हो। थोड़ी थोड़ी पिया करो गजल साल 1997 में आई फिल्म नशा की है। इस गजल के खूबसूरत बोल लिखे थे गीतकार एस राकेश ने। शराब पीने के शौकीनों के बीच यह गजल अब भी उतनी ही लोकप्रिय है जितनी 26 साल पहले थी।

एक तरफ उसका घर, एक तरफ मयकदा...

एक ऐसा जमाना था जब पंकज उधास एक के बाद ऐसी गजलें लाते थे जो शराब पीने वालों के बीच काफी लोकप्रिय होती थी। एक ऐसी ही गजल थी एक तरफ उसका घर, एक तरफ मयकदा। इस गजल को पंकज उधास ने अपनी मखमली आवाज में ऐसा गाया था कि रिलीज के इतने दिनों बाद भी इसको सुनने वालों की संख्या घटने की बजाए बढ़ी है।

पंकज और संजय दत्त एक-दूसरे के थे लकी चार्म

फिल्म नामसे केवल पंकज उधास की ही किस्मत नहीं चमकी थी बल्कि इस फिल्म से संजय दत्त ने फिल्मी कैनवस पर धमाकेदार सफर शुरू किया था। फिल्म तो जुबली स्टार राजेंद्र कुमार ने अपने बेटे कुमार गौरव के लिए बनाई थी लेकिन नसीब में शौहरत संजय दत्त के लिखी थी। पर्दे पर चिट्ठी आई है गीत पंकज उधास और संजय दत्त पर ही फिल्माया गया था। फिल्म भी हिट भी हुई और पंकज और संजय दत्त भी। दोनों का सफर आगे बढ़ता गया लेकिन संजय दत्त के फिल्मी करियर में बीच में कुछ ठहराव तब आया जब उनकी फिल्में पर्दे पर फ्लॉप होने लगीं। और उधर पकंज उधास भी प्लेबैक सिंगिग से ज्यादा गजलों की दुनिया में मशहूर हो गए थे, ऐसे में दोनों के करियर में एक बड़े धमाके की जरूरत थी और वो धमाका किया साल 1991 में आई फिल्म साजन ने। जिसमें पंकज उधास ने एक बार फिर जिए तो जिए कैसे... के जरिए बड़ा धमाल मचाया और इस फिल्म के जरिए संजय दत्त में अपनी शाख बॉलीवुड में वापस जमा ली। यह गीत संजय दत्त पर ही फिल्माया गया था और इसके बाद न तो पंकज उधास ने पीछे पलटकर देखा और न ही संजय दत्त ने। इसलिए दोनों एक-दूसरे को अपना लकी चार्म मानते थे। इस बात का खुलासा कुछ वक्त पहले एक इंटरव्यू में पंकज उधास ने किया था।

बाजार की साजिश से नाखुश थे पंकज

पंकज उधास की पहचान आम तौर पर ऐसे गजल गायक के रूप में होती है जो शराब और मयखाने से जुड़ी गजलें गाता है, लेकिन उनकी यह पहचान बाजार की साजिश का नतीजा है और इससे वे खुद बड़े नाखुश थे। इस नाखुशी का इजहार उन्होंने एक इंटरव्यू में भी किया था। तब पंकज उधास ने कहा था, मेरी गाई हजारों गजलों में से महज 25 के करीब शराब पर हैं। अफसोस, कि म्यूजिक कंपनियों ने उन्हें ही कंपाइलेशन के लिए चुना। यह मार्केटिंग का बुरा तरीका है। जब मैंने उन गजलों को रिकॉर्ड किया था तो मुझे जरा भी अहसास नहीं था कि ऐसा होगा।

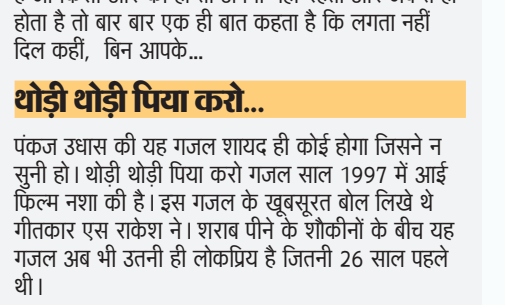

उनकी गजलें सीधे आत्मा से बात करती थीं

हम पंकज उधास जी के निधन पर शोक व्यक्त करते हैं, जिनकी गायकी कई तरह की भावनाओं को व्यक्त करती थी और जिनकी गजलें सीधे आत्मा से बात करती थीं। वे भारतीय संगीत के एक प्रकाश स्तंभ थे, जिनकी धुनें पीढ़ियों से चली आ रही थीं। मुझे पिछले कुछ वर्षों में उनके साथ हुई अपनी विभिन्न बातचीतें याद हैं। पंकज उधास के जाने से संगीत जगत में एक खालीपन आ गया है जिसे कभी नहीं भरा जा सकेगा। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति संवेदनाएं. शांति। **-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

'चिट्ठी आई है' सुनकर रो पड़े थे राज कपूर

राजेंद्र कुमार और राज कपूर बहुत अच्छे दोस्त थे। एक दिन उन्होंने राज कपूर को अपने घर डिनर पर बुलाया। डिनर करने के बाद उन्होंने पंकज उधास की आवाज में राज कपूर को चिट्ठी आई है, गजल सुनाई, तो वो रो पड़े। उन्होंने कहा कि इस गजल से पंकज को बहुत पॉपुलैरिटी मिलेगी और उनसे बेहतर ये गजल कोई दूसरा नहीं गा सकता।

1982 में फरीदा से शादी

पंकज ने 11 फरवरी 1982 को फरीदा से शादी की थी। एक कॉमन फ्रेंड की शादी में दोनों की मुलाकात हुई थी। पंकज को पहली नजर में ही फरीदा पसंद आ गई थीं। उस वक्त वो ग्रेजुएशन कर रहे थे और फरीदा एयर होस्टेस थीं। पहले दोनों में दोस्ती हुई, फिर प्यार। दोनों शादी करना चाहते थे। पंकज के परिवार वालों को इस रिश्ते से कोई एतराज नहीं था। जब फरीदा ने इस रिश्ते की बात अपने परिवार को बताई, तो उन्हें यह रिश्ता मंजूर नहीं था। परिवार दूसरे धर्म में अपनी लड़की की शादी नहीं कराना चाहता था। फरीदा के कहने पर पंकज उनके घर गए और उनके पिता से अपने रिश्ते की बात की। फरीदा के पिता रिटायर्ड पुलिस ऑफिसर थे, इस वजह से पंकज बहुत डरे हुए थे, लेकिन उन्होंने अपनी बातों से उनका दिल जीत लिया। फरीदा के पिता दोनों की शादी के लिए मान गए। जिसके बाद दोनों की शादी हुई। दोनों की दो बेटियां नायाब और रेवा हैं।

पन्ना में चुनावी रंजिश में फिर चली गोली, आटो चालक युवक को मारी गोली, हालत गंभीर

पुलिस मामले की जांच में जुटी, घायल को रीवा मेडिकल कालेज किया रेफर

राम नरेश विश्वकर्मा। सिटी चीफ पन्ना, पन्ना जिले के अजयगढ़ थाना अंतर्गत रैकवार ढाबा में चुनावी रंजिश पर गोली चलने से एक युवक घायल हो गया, घायल को तत्काल अजयगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया जहां से उसे प्राथमिक उपचार उपरांत हालत गंभीर होने के? चलते जिला चिकित्सालय पन्ना रेफर कर दिया गया है, जहा से उसे मेडिकल कालेज रीवा रेफर किया गया है, वही घटना के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि घायल लोकेश द्विवेदी सुबह अजयगढ़ के लिए घर से निकला था, और रास्ते में रैकवार ढाबा में नाश्ता करने लगा, तभी अचानक देवरा भापतपुर सरपंच हेतराम यादव

के भाई ने उस पर बंदूक तान दी, जब उसने बचने का प्रयास किया, तब तक हेतराम ने गोली चला दी, गोली सीने पर निशाना साध कर चलाई गई थी, लेकिन वह पैर में लगी। इस घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल निर्मित हो गया है। सूचना मिलते ही पुलिस एवं नायब तहसीलदार ने घायल के बयान लेकर मामले की विवेचना और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। मामला चुनावी रंजिश का बताया जा रहा है। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार बताया जा रहा हैं।

मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ की जिला इकाई मैहर में नवगठित कार्यकारिणी का हुआ गठन

मनोज मिश्रा हुए नवागत जिला के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष

श्रीनिवास मिश्रा। सिटी चीफ मैहर, भारत का प्रथम इंडियन ट्रेड यूनियन एक्ट द्वारा पंजीकृत एवं देश के समस्त पत्रकारों के हितार्थ समर्पित मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ द्वारा पत्रकारों को संगठित होकर कार्य करने के लिए प्रदेश, संभाग, जिला एवं तहसील इकाई का गठन किया जा रहा है। जिसको लेकर मध्य प्रदेश के नवागत जिला मैहर में भी मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के भीष्म पितामह प्रदेश अध्यक्ष सलभ भदोरिया के निर्देशानुसार नव नियुक्त जिला अध्यक्ष मनोज मिश्रा के नेतृत्व में प्रदेश कार्यकारिणी के महासचिव सत्यनारायण वैष्णव जी द्वारा जिला इकाई मैहर की कार्यकारिणी का गठन किया गया। संघ द्वारा निर्देशित कार्य प्रणाली को

लेकर मैहर जिला अध्यक्ष मनोज मिश्रा जी द्वारा संगठन की मजबूती एवं विस्तार के साथ मैहर जिला इकाई के लिए पूरे जोश के साथ कार्य करने और जिले के सभी सदस्यों के लिए ही नहीं बल्कि समूचे श्रमजीवी पत्रकार साथियों के मान सम्मान की रक्षा के लिए संघर्ष रत रह कर कार्य करने का आश्वासन दिया गया। जिसमें अन्य जिलों की तरह हर तीसरे माह में अपनी जिला कार्यकारिणी की बैठक , 6 माह में साधारण सभा एवं वर्ष में एक बार जिला सम्मेलन कराने की बात कही गई। मैहर जिला इकाई कार्यकारिणी में नवनियुक्त साथियों में से साथी मनोज मिश्रा जिला अध्यक्ष, साथी जवाहर संतानी उपाध्यक्ष,साथी सूर्यकांत द्विवेदी उपाध्यक्ष, साथी देवेश शर्मा उपाध्यक्ष, साथी सुनील दहिया उपाध्यक्ष, साथी बद्री पाठक महासचिव, साथी पीश्रीनिवास मिश्रा कोषाध्यक्ष, साथी कृष्ण कुमार पांडे सचिव, साथी राजेश सिंह सचिव,साथी मनोज गौतम सचिव, साथी रोहित रजक सचिव, साथी सत्य प्रकाश कुशवाहा संयुक्त सचिव, साथी वीरेंद्र चतुर्वेदी संयुक्त सचिव, साथी सुनील कोरी संयुक्त सचिव, साथी इंद्रभान सिंह बघेल संयुक्त सचिव, साथी कमल सिंह परिहार कार्यकारिणी सदस्यो के साथ अन्य सभी सदस्यों को कार्यकारिणी में शामिल किया गया।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत निर्माण कार्यों का नरेंद्र मोदी ने किया वर्चुअल भूमिपूजन

जिले के अकोदिया, बेरछा और शाजापुर के रेलवे स्टेशनों का होगा विकास, रंगारंग कार्यक्रम के साथ हुआ भव्य आयोजन

भगवानदास बैरागी। सिटी चीफ शाजापुर, अमृत भारत योजना के तहत मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल उद्घाटन किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और स्कूली विद्यार्थी शामिल हुए। वहीं बच्चों ने भी रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति दी।

वर्चुअल उद्घाटन समारोह के लिए रेलवे द्वारा आयोजित कार्यक्रम में जिले जनप्रतिनिधि, मातृ शक्ति के साथ स्कूली विद्यार्थी कार्यक्रम के साक्षी बने। कार्यक्रम के लिए स्टेशन परिसर के बाहर बड़ा डोम लगाया गया जिसमे वर्चुअल प्रोग्राम देखने के लिए 5 बड़ी एलईडी स्क्रीन की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम में स्कूली विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम स्थल पर एलईडी के माध्यम से भारतीय रेलवे के 170 वर्ष पुराने इतिहास से लेकर वर्तमान समय में भारतीय रेलवे के विकास और उसकी उन्नति की ओर अग्रसर होती भारतीय रेलवे के परिदृश्य

को वीडियो के माध्यम से प्रसारित किया गया। 26 फरवरी को भारतीय रेलवे में पीएम मोदी ने देश भर में 41000 करोड़ की रेल परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकर्पण किया, जिसमें अमृत भारत रेलवे स्टेशन योजना के अंतर्गत 554 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास एवं 1500 रोड़ ओवर ब्रिजों/अंडरपास का लोकार्पण/शिलान्यास किया गया। इस कार्यक्रम के तहत रतलाम मंडल के 11 स्टेशनों इंदौर, उज्जैन, सीहोर, शुजालपुर, मक्सी, नागदा, खाचरोद, नीमच, मंदसौर , दाहोद, लिमखेड़ा सहित दो रोड अंडर ब्रिज का शिलान्यास एवं दो नवनिर्मित रोड अंडर ब्रिज को राष्ट्र को समर्पित किया गया। इसके जिससे यात्रियों को विश्व स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर और यात्री सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर एसपी यशपालसिंह राजपूत, विधायक अरूण भीमावद, सांसद महेंद्रसिंह सोलंकी, नगर पालिका अध्यक्ष प्रेम जैन, नगर पालिका उपाध्यक्ष पं. संतोष जोशी, पूर्व विधायक पुरूषोत्तम चंद्रवंशी, किरणसिंह ठाकुर सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि वे रेलवे के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

जिले के 6 रेलवे स्टेशनों को किया शामिल अमृत भारत स्टेशन योजना में जिले के 6 रेलवे स्टेशन शाजापुर, मकसी, देवास, बेरछा, अकोदिया और शुजालपुर को शामिल किया गया है। जहां के स्टेशनों में सुविधा का विस्तार किया जाएगा और ये स्टेशन निर्माण पूर्ण हो जाने के बाद यह स्टेशन एयर पोर्ट की तरह दिखने लगेंगे। विकसित भारत संकल्प का प्रतिनिधित्व करेगा देवास-शाजापुर लोकसभा क्षेत्र सांसद महेंद्रसिंह सोलंकी ने बताया कि देवास रेलवे स्टेशन का भूमिपूजन पहले हो चुका था। वहीं अन्य रेलवे स्टेशनों के निर्माण के पहले चरण के लिए भी राशि आ चुकी है। उन्होंने बताया कि नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हमारा देवास लोकसभा क्षेत्र रेल के मामले में विकसित होगा और उनके 2047 के विकसित भारत संकल्प का हमारा संसदीय क्षेत्र प्रतिनिधित्व करेगा

आसाराम बापू की रिहाई के लिए समिति सदस्यों ने सांसद से लगाई गुहार

ज्ञापन सौंपकर की शीघ्र रिहाई की मांग

भगवानदास बैरागी। सिटी चीफ शाजापुर, आसाराम बापू आश्रम की समिति सदस्यों ने सोमवार को सांसद महेंद्रसिंह सोलंकी से मुलाकात कर आसाराम बापू की रिहाई की मांग की। समिति सदस्यों की मांग पर सांसद ने आश्वासन दिया। साथ ही सभी सदस्यों से विस्तार से चर्चा करने हेतु देवास आमंत्रित किया है। समिति सदस्यों ने सांसद सोलंकी को बताया कि बापू का स्वास्थ्य अत्यंत खराब है। अब तक उन्हें तीन हार्ट अटैक आ चुके हैं। इसके बावजूद उन्हें आयुर्वेदिक इलाज के लिए भी रिहाई नहीं दी जा रही है। समिति सदस्यों ने सांसद से निवेदन किया कि बापू की अतिशीघ्र रिहाई

करवाई जाए। इसके लिए वे पार्टी फोरम तथा उच्च स्तरीय भाजपा नेताओं तक भी उनकी बात पहुंचाकर बापू की रिहाई की व्यवस्था करवाएं। समिति सदस्यों की मांग पर सांसद द्वारा आसाराम बापू की रिहाई हेतु प्रयास करने का आश्वासन एवं आगामी 9 मार्च के पश्चात देवास में सभी साधक भाई बहनों को विस्तृत चर्चा करने के लिए देवास आमंत्रित किया गया है।

समर्थन मूल्य पर चना खरीदी के लिए 10 मार्च तक होगा किसानों का पंजीयन

किसानों के पंजीयन के लिए बनाए गए 71 केन्द्र

पीयूष अग्रवाल। सिटी चीफ खरगोन, रबी विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर किसानों से चना की खरीदी करने के लिए जिले में आगामी 10 मार्च 2024 तक किसानों का पंजीयन किया जाएगा। कलेक्टर कर्मवीर शर्मा ने जिले के चना उत्पादक किसानों के पंजीयन के लिए 71 केन्द्र निर्धारित कर दिए हैं। किसानों से अपील की गई है कि वे 10 मार्च तक अपना पंजीयन अवश्य करा लें। 10 मार्च के बाद किसानों का पंजीयन नहीं होगा। 10 मार्च तक पंजीयन कराने वाले किसानों को ही चना के समर्थन मूल्य का लाभ मिलेगा।

समर्थन मूल्य पर चना उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन करने कसरावद तहसील में सेवा सहकारी संस्था कसरावद, देवश्री सहकारी संस्था कसरावद, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था बलकवाड़ा, सेवा सहकारी संस्था निमरानी, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था खामखेड़ा, सेवा सहकारी संस्था बोरावां, सेवा सहकारी संस्था पिपलगोन, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था साटकूर, सेवा सहकारी संस्था बामंदी एवं सेवा सहकारी संस्था बामखल में पंजीयन केन्द्र बनाया गया है। इसी प्रकार खरगोन तहसील में आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था बरूड़, श्री गणेश सहकारी विपणन समिति खरगोन, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था नंदगांव रोड़, मेनगांव, रजूर, रायबिड़पुरा, ऊन एवं सतपुड़ा सहकारी विपणन समिति भगवानपुरा में पंजीयन

केन्द्र बनाए गए हैं।

गोगावां तहसील में आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था गोगावां, उमरखली, घुघरियाखेड़ी, बिस्टान, नागझिरी, टेमा बेहरामपुर एवं श्री शक्ति सहकारी विपणन समिति गोगावां, झिरन्या तहसील में विवेकानंद सेवा सहकारी संस्था झिरन्या, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था झिरन्या, आभापुरी, तिनस्या, बड़वाह तहसील में वृहत्ताकार सेवा सहकारी संस्था बड़वाह, सेवा सहकारी संस्था काटकूट, बागोद, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था बलवाड़ा, जेठवाय, दि को-ऑपरेटिव सोसायटी सनावद, भगवानपुरा तहसील में आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था धूलकोट, सतपुडा सहकारी विपणन समिति भगवानपुरा, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था भग्यापुर, मोहनपुरा, पिपलझोपा में चना उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन केन्द्र बनाया गया है।

भीकनगांव तहसील में आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था बमनाला, दि को-ऑपरेटिव मार्केटिंग सोसायटी भीकनगांव, आदिम जाति सेवा सहकारी समिति भीकनगांव, अंदड़, लालखेड़ा, गोराड़िया, सेल्दा, शक्करगांव, रोड़िया, बिटनेरा, महेश्वर तहसील में आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था महेश्वर, सोमाखेड़ी, करही, आशापुर, मण्डलेश्वर, कतरगांव, चौली, पिपल्याबुजुर्ग, करोंदिया, बडदिया, जनहित विपणन सहकारी संस्था करही, सेगांव तहसील में आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था सेगांव, मातेश्वरी मार्केटिंग सोसायटी सेगांव, आदिम जाति सेवा सहकारी समिति तलकपुरा एवं सनावद तहसील में सेवा सहकारी संस्था बेड़िया, आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था बड़ूद, बागरदा, कान्हापुर, भानबरड़, दि को-ऑपरेटिव मार्केटिंग सोसायटी सनावद एवं सेवा सहकारी समिति भुलगांव में समर्थन मूल्य पर चना उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन केन्द्र बनाया गया है।

शराब के नशे में अपने ही हाथ से युवक ने काट लिया अपना गला

जिला अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर अवस्था में किया इंदौर रैफर

भगवानदास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, लालपुरा निवासी एक युवक ने अपने हाथ से अपना गला काट लिया। परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर आए, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद युवक को इंदौर रैफर किया गया है। जानकारी के अनुसार दिलीप (30) पिता अंबाराम मालवीय का रविवार रात अपने परिजनों से विवाद हो गया था। बताया जाता है युवक बहुत अधिक शराब के नशे में था और विवाद के चलते नशे में उसने ब्लेड लाकर अपना गला काट लिया। जब परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे तो युवक के गले से काफी खून बह रहा था और घाव इतना गहरा था कि उसकी श्वास नली दिखने लगी थी। इस पर चिकित्सकों ने उसका प्राथमिक उपचार किया और उसे इंदोर रैफर कर दिया। परिजनों को डराने के लिए लाया था ब्लेड परिजनों ने बताया कि वह हमें डराने के लिए ब्लेड लेकर आया था। उसने अपने हाथ से अपना गला काट लिया। परिजनों के मुताबिक दिलीप शराब के नशे में था और नशे में ही उसने यह कदम उठाया। पुलिस ने मामला जांच में लिया है।

शुजालपुर के लिए निकली ईवीएम हटाओ, देश बचाओ रेली

2 को शुजालपुर में आमसभा के साथ होगा समापन, ज्ञापन भी सौंपेंगे

भगवानदास बैरागी। सिटी चीफ शाजापुर, दुपाड़ा रोड से सोमवार को ईवीएम हटाओ, देश बचाओ वाहन रैली निकाली गई। जो नगर के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी। यह रैली विभिन्न ग्रामों से होती हुई शुजालपुर पहुंचेगी जहां आमसभा के साथ रैली का समापन होगा। दिनेश सिंदल ने बताया कि सोमवार को दुपाड़ा रोड से ईवीएम हटाओ, देश बचाओ आंदोलन को लेकर वाहन रैली निकली गई। यह रैली शाजापुर से बेरछा मंडी, सुंदरसी, खड़ी, पोलायकलां, पगरावदकलां, अवंतिपुर बड़ोदिया पहुंचेगी जहां रात्रि विश्राम किया जाएगा। अगले दिन यह रैली अ.बड़ोदिया से होती हुई नरोला, टपका बसंतपुर, शुजालपुर सिटी, रायपुर, कड़वाला, मोदीपुर सहित अन्य क्षेत्रों से निकलेगी। इसी तरह यह रैली विभिन्न क्षेत्रों से होती हुई शुजालपुर मंडी पहुंचेगी जहां आमभा के साथ रैली का समापन होगा। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन अधिकारियों को सौंपा जाएगा जिसमें ईवीएम मशीन पर प्रतिबंध लगाने और मत पत्रों से चुनाव कराए जाने की मांग की जाएगी।

अब किसानो को होगा MPKISAN App का लाभ किसान अपनी फसल की जानकारी MPKISAN App के माध्यम से कर सकेंगे दर्ज

पीयूष अग्रवाल। सिटी चीफ खरगोन, मेरी गिरदावरी-मेरा अधिकार में अब किसान निश्चित होकर अपनी फसल की जानकारी MPKISAN App के माध्यम से दर्ज कर सकेंगे। इस जानकारी का उपयोग फसल हानि, न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना, भावांतर योजना, किसान क्रेडिट कार्ड और कृषि ऋण में किया जायेगा। किसान की इस जानकारी का आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एवं पटवारी से सत्यापन होगा। मेरी गिरदावरी-मेरा अधिकार में किसान को यह सुविधा उपलब्ध करवाई गई है कि वे अपने खेत से ही स्वयं फसल की जानकारी एमपीकिसान एप पर दर्ज कर अपने आप को रजिस्टर सकते हैं। इस एप को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। किसान एप पर लॉगिन कर फसल स्व-घोषणा, दावा आपत्ति आप्शन पर क्लिक कर अपने खेत को जोड़ सकते हैं। खाता जोड़ने के लिये प्लस ऑप्शन पर क्लिक कर जिला, तहसील, ग्राम, खसरा आदि का चयन कर एक या अधिक खातों को जोड़ा जा सकता है। खाता जोड़ने के

बाद खाते के समस्त खसरा की जानकारी एप में उपलब्ध होगी। उपलब्ध खसरा की जानकारी में से किसी भी खसरे पर क्लिक करने पर ए आई के माध्यम से जानकारी उपलब्ध होगी। किसान के सहमत होने पर एक क्लिक से फसल की जानकारी को दर्ज किया जा सकेगा। संभावित फसल की जानकारी से असहमत होने पर खेत में बोयी गई फसल की जानकारी खेत में उपस्थित होकर लाइव फोटो के साथ दर्ज की जा सकती है।

कलेक्टर ने जारी करा टोल फ्री नम्बर 1800112100 और सी.एम. हेल्पलाइन नंबर 181 पर कर सकते हैं शिकायत

कलेक्टर ने की अपील मिलावट खोरी से रहें सावधान

पीयूष अग्रवाल। सिटी चीफ खरगोन, आम जन को मिलावट रहित, शुद्ध एवं गुणवत्ता युक्त खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए कलेक्टर कर्मवीर शर्मा के निर्देश पर जिले में मिलावट से मुक्ती अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम द्वारा नियमित रूप से खाद्य सामग्री

तैयार करने एवं विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर कार्यवाही की जा रही हैं। कलेक्टर शर्मा ने आमजन से मिलावट के प्रति सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता मिलावट की शिकायत टोल फ्री नंबर 1800112100 एवं सी.एम. हेल्पलाइन नंबर 181 पर कर सकते हैं। आम जन के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले एवं मिलावटी खाद्य पदार्थ के निर्माण में लिप्त प्रतिष्ठानों पर कठोर कार्यवाही की जायेगी । कलेक्टर शर्मा ने बताया कि जिले में चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, मैजिक बॉक्स के माध्यम से स्कूल, कॉलेज के छात्र-छात्राओं को खाद्य पदार्थों में मिलावट की जांच करने संबंधी प्रशिक्षण दिया जायेगा। विद्यालयों में खाद्य सुरक्षा जागरूकता के लिए विद्यार्थियों का हेल्थ क्लब गठित किया जाएगा। आंगनवाड़ी केन्द्रों, स्कूलों के मध्याह्न भोजन खाद्य सामग्री की जाँच मैजिक बॉक्स, चलित खाद्य प्रयोगशालाओं के माध्यम से की जाएगी। अभियान में लायसेंस रजिस्ट्रेशन की जांच, मिलावटी खाद्य पदार्थ के निर्माण में लिप्त प्रतिष्ठानों पर जब्ती, सीलिंग और लायसेंस निलंबित करने की कार्यवाही सतत् जारी रहेगी। इसके अलावा ईट-राइट गतिविधियां तथा जन जागरूकता अभियान विभिन्न विभागों के सामंजस्य से आयोजित किए जाएँगे।

तालिबान ने हजारों लोगों के सामने एक और व्यक्ति को दी फांसी

इस्लामाबाद: तालिबान ने उत्तरी अफगानिस्तान में हत्या के दोषी व्यक्ति को सोमवार को एक स्टेडियम में सार्वजनिक रूप से फांसी दे दी और हजारों लोग इसके प्रत्यक्षदर्शी बने। एक प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, फांसी जॉजजान प्रांत की राजधानी शिबिरगान शहर में हुई, जहां पीड़ित के भाई ने दोषी को राइफल से पांच बार गोली मारी। प्रत्यक्षदर्शी ने नाम सार्वजनिक न करने की शर्त पर बताया कि स्टेडियम के आसपास कड़ी सुरक्षा थी। अगस्त 2021 में अमेरिका और उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के सैनिकों के पूरी तरह से अफगानिस्तान छोड़ने के पश्चात तालिबान के सत्ता पर काबिज होने के बाद से यह पांचवीं सार्वजनिक फांसी थी। तालिबान सरकार के अधिकारियों ने तत्काल इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। एक बयान में कहा गया है कि देश की तीन उच्च अदालतों और तालिबान के सर्वोच्च नेता मुल्ला हिब्तुल्ला अखुंदजादा की मंजूरी के बाद सोमवार को यह फांसी दी गई है। बयान के अनुसार, फांसी पर लटकाए गए फरयाब प्रांत के बिलचिराग जिले के नजर मोहम्मद ने फरयाब के ही रहने वाले ख़ाल मोहम्मद की हत्या की थी और यह हत्या जॉजजान में हुई थी। दक्षिणपूर्वी गजनी प्रांत में बृहस्पतिवार को तालिबान ने हत्या के मामले में दोषी दो लोगों को फांसी दी थी।

भारत से थाईलैंड लाए गए भगवान बुद्ध के अवशेषों के लाखों श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

बैंकॉक: भारत से थाईलैंड लाए गए भगवान बुद्ध और उनके दो शिष्यों के अवशेषों के एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने यहां माखा बुचा दिवस पर दर्शन किए। इन अवशेषों को 26 दिनों के लिए भारत से थाईलैंड लाया गया है। भगवान बुद्ध के चार पवित्र पिपराहवा अवशेष सहित उनके दो शिष्यों - अरहाता सारिपुत्र और अरहाता मौदगल्यायन के अवशेष बृहस्पतिवार को भारतीय वायुसेना के विशेष विमान के जरिये थाईलैंड पहुंचे। इन्हें शुक्रवार को बैंकॉक के सनम लुआंग मंडप में विशेष रूप से निर्मित पंडाल में श्रद्धा और मंत्रोच्चार के बीच प्रतिष्ठापित किया गया। भारत के संस्कृति मंत्रालय द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शनिवार को माखा बुचा दिवस पर लगभग एक लाख श्रद्धालुओं ने अवशेषों के दर्शन किये। थाईलैंड के अखबार 'द नेशन के अनुसार, माखा बुचा दिवस एक महत्वपूर्ण बौद्ध दिवस है, जो ''करीब 2,500 साल पहले 1,250 प्रबुद्ध भिक्षुओं की एक सभा की याद दिलाता है। यह त्योहार, जिसे माघ पूजा के नाम से भी जाना जाता है, बौद्ध अनुयायियों के लिए विशेष स्थान रखता है। अवशेषों को थाईलैंड में 22 फरवरी से शुरू हुई 26 दिवसीय प्रदर्शनी के हिस्से के रूप में प्रदर्शित किया गया है। ऐसा पहली बार होगा जब भगवान बुद्ध और उनके शिष्यों के अवशेषों को एक साथ प्रदर्शित किया गया है। विज्ञप्ति के अनुसार, बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने भगवान बुद्ध के अवशेषों को मंडप में प्रतिष्ठापित करने के लिए थाईलैंड के प्रधानमंत्री श्रेथा थाविसिन को सौंपा जबकि सारिपुत्र और महा मौदगल्यायन के अवशेषों को केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार ने थाईलैंड के उप-प्रधानमंत्री सोमसाक थेपसुतिन और थाई संस्कृति मंत्री को सौंपा।

पुणे: व्यक्ति ने 8 साल के बच्चे को दिया वड़ा पाव का लाल

यौन शोषण के बाद मौत के घाट उतारा

नेशनल डेस्क: महाराष्ट्र के पुणे जिले में एक व्यक्ति ने आठ वर्षीय लड़के के साथ अप्राकृतिक यौन संबंध बनाने के बाद कथित तौर पर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। आरोपी ने कथित तौर पर नाबालिग लड़के को वड़ा पाव का लालच दिया और फिर उसका यौन शोषण किया। घटना पुणे के पिंपरी चिंचवड़ इलाके की है. आरोपी ने यौन उत्पीड़न के बाद लड़के की हत्या कर दी लड़का शनिवार से लापता था. वह एक चॉल में अपने घर के पास से लापता हो गया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से लड़के का अपहरण करने वाले शख्स की पहचान कर ली. इसके बाद, आरोपी 28 वर्षीय पवन पांडे को रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसने लड़के का यौन उत्पीड़न किया और फिर उसका गला घोंटकर शव को बावधन इलाके में फेंक दिया। पांडे पर भारतीय दंड संहिता और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों के तहत हत्या, अप्राकृतिक यौन संबंध और अन्य अपराधों के लिए मामला दर्ज किया गया था। नवी मुंबई में एक और नाबालिग के साथ अप्राकृतिक यौनाचार एक अलग घटना में, नवी मुंबई में एक 38 वर्षीय व्यक्ति द्वारा आठ वर्षीय लड़के के साथ अप्राकृतिक यौनाचार किया गया और उस पर हमला किया गया। पीड़ित खंडेश्वर की एक इमारत में काम करने वाले चौकीदार का बेटा था। आरोपी की पहचान मुंबई के मस्जिद बंदर निवासी सनाउल हकीम शेख के रूप में हुई है, जो रविवार को फ्लैट ढूंढने में मदद लेने के बहाने लड़के को इमारत की छत पर ले गया। इसके बाद आरोपी ने कथित तौर पर नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया। आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 377 (अप्राकृतिक अपराध) और 506 (2) (आपराधिक धमकी) और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज करने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

झारखंड विधानसभा में वित्त मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव ने पेश की आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 रिपोर्ट

रांची: झारखंड विधानसभा में वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव ने झारखंड आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 रिपोर्ट पेश किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि झारखंड की जीएसडीपी राष्ट्रीय लेखा के आधार पर 2011-12 में लगभग 1 लाख 50 हजार करोड़ रुपए का था, जो 2018-19 में बढ़कर 2 लाख 29 हजार करोड़ रुपए से अधिक हो गया है और वर्तमान में 3 लाख 05 हजार करोड़ रुपए से अधिक है। कोविड काल में ये आंकड़े गिर गया था। हालांकि तब से राज्य की जीएसडीपी में लगातार वृद्धि हुई है। वित्त मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव ने बताया कि वर्ष 2020-21 में झारखंड का देश की जीडीपी में 1.6 प्रतिशत का योगदान था, जो वर्ष 2021-22 में बढ़कर 1.63 प्रतिशत हो गया। वर्ष 2022-23 में इसमें मामूली गिरावट आई और यह आंकड़ा 1.62 प्रतिशत पर रहा। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रति व्यक्ति के संदर्भ में झारखंड देश के सबसे कम प्रति व्यक्ति वाले राज्यों में से एक है। वर्ष 2000-01 में अस्तित्व में आने के साथ ही यह 28 राज्यों की सूची में 26वें स्थान पर था। केवल पड़ोसी राज्य बिहार और उत्तर प्रदेश ही इससे नीचे था। विगत दो दशकों में भी स्थिति में व्यापक परिवर्तन नहीं आया। वर्ष 2021-22 में भी एक स्थान के मामूली सुधार के साथ झारखंड इस सूची में 25वें स्थान पर था। केवल बिहार, उत्तर प्रदेश और मणिपुर ही झारखंड से पीछे थे।

बीच सड़क कुत्ते ने जबड़े में दबोचा शख्स का पैर, उतार दी पैंट

नेशनल डेस्क: आवारा कुत्तों के आतंक का एक वीडियो इस वक्त सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जिसमें देखा जा सकता है कि कैसे एक कुत्ता पहले एक लड़के पर हमला करता है फिर छुड़ाने आई महिला के हाथ को भी नोंच खाता है। इस भयंकर वीडियो को देख आप भी सतर्क रहे। वीडियो में देख सकते है कि दो लोगदुकान से सामान लेकर निकलते हैं, उसके बाद पास में खड़ा एक कुत्ता पहले एक शख्स का पैर नोंचता है फिर इस दौरान वहां मौजूद लोग भी बचाव में उतर जाते हैं। उसे बचाने के लिए वहां मौजूद महिला दौड़कर आती है. वो कुत्ते को हटाने की कोशिश करती है लेकिन उसे भी वह नोंच लेता है। तभी आसपास मौजूद लोग भी लड़के के पास से कुत्ते को हटाने की कोशिश करते हैं. इस दौरान लड़का जोर जोर से चिल्लाता है. महिला कुत्ते को पीछे की तरफ खींचती है. जिससे लड़के का पैर कुत्ते के जबड़े से निकाल लिया जाता है। लेकिन फिर कुत्ता इसी महिला पर हमला कर देता है इसके बाद लोग महिला को बचाते हैं. लड़के को बचाने के लिए उसके कपड़े ही उतारने पड़ जाते हैं। इस खतरनाक वीडियो को अभी तक 1.2 मिलियन से अधिक लोगों ने देख लिया है। लोग वीडियो को शेयर कर रहे हैं. साथ ही इस पर कमेंट करते हुए अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं. वीडियो कब का और कहां का है, इसकी जानकारी नहीं बताई गई।

शरीर में जिंक की कमी, शख्स ने निगल लिए 39 सिक्के और 37 चुंबक

नेशनल डेस्क: राष्ट्रीय राजधानी के सर गंगा राम अस्पताल के डॉक्टरों ने सर्जरी के बाद 26 वर्षीय एक व्यक्ति के पेट और आंत से कम से कम 39 सिक्के निकाले हैं। मरीज, जो एक मानसिक बीमारी से भी पीड़ित है, उसे पिछले 20 दिनों से बार-बार उल्टी और पेट दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल ले जाया गया था। मरीज, जो सबसे पहले अस्पताल की ओपीडी में आया, उसे सबसे पहले वरिष्ठ सलाहकार डॉ. तरुण मित्तल ने देखा। मरीज के रिश्तेदारों ने कथित तौर पर डॉ. मित्तल को बताया कि वह पिछले कुछ हफ्तों से सिक्के और चुंबक निगल रहा है। दिल्ली के इस शख्स ने क्यों निगले सिक्के और चुंबक डॉक्टरों के मुताबिक, शख्स ने ये सिक्के ये सोचकर निगल लिए थे कि इनमें मौजूद जिंक उसे बॉडी बनाने में मदद करेगा। उन्होंने सोचा कि ये धातु की वस्तुएं उनके शरीर के अंदर लंबे समय तक रहेंगी, जिससे जिंक का बेहतर अवशोषण होगा और उनके शरीर निर्माण में बेहतर परिणाम मिलेंगे। मरीज के रिश्तेदारों ने डॉक्टर के साथ उसके पेट का एक्स-रे साझा किया। प्रारंभिक जांच में, एक्स-रे में उसके पेट में अपारदर्शी सिक्के के आकार की छाया दिखाई दी। बाद में, मरीज के पेट क्षेत्र के सीटी स्कैन में सिक्कों और चुंबकों का बड़ा हिस्सा दिखाई दिया, जो आंत में रुकावट पैदा कर रहा था। प्रारंभिक जांच और स्कैन के बाद, डॉक्टरों ने परिजनों को नियोजित सर्जरी के बारे में सूचित किया। सर्जरी के दौरान डॉक्टरों ने आंत को खोला और सिक्के और चुंबक बाहर निकाले। डॉक्टरों का कहना है कि क्षतिग्रस्त आंत और पेट के अंदरूनी हिस्सों की मरम्मत करना सर्जरी का सबसे जटिल काम था। इनसेटिंग के दोनों लूपों की मरम्मत दो अलग-अलग एनास्टोमोसेस द्वारा की गई थी। डॉक्टरों ने बताया कि शख्स के शरीर से अलग-अलग आकार के 1, 2, 5 रुपये और 37 मैग्नेट के कुल 39 सिक्के बरामद किए गए। डॉक्टरों ने कहा कि सर्जरी के बाद एक्स-रे से पता चलता है कि सभी सिक्के और चुंबक अब हटा दिए गए हैं। करीब एक हफ्ते तक मरीजों को निगरानी में रखने के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई. उस व्यक्ति का मानना ??था कि सिक्कों में मौजूद जिंक शरीर निर्माण में मदद करता है और सिक्के लंबे समय तक शरीर के अंदर रहेंगे, जिससे जिंक का अवशोषण बेहतर होगा।

पाकिस्तान में बदला इतिहास

नवाज की बेटी मरयम बनीं पंजाब प्रांत की पहली महिला मुख्यमंत्री

इस्लामाबाद: पाकिस्तान में पीएमएल-एन के अध्यक्ष की बेटी ने देश में इतिहास बदलते हुए पंजाब प्रांत की पहली महिला मुख्यमंत्री का सम्मान हासिल कर लिया है। वरिष्ठ पीएमएल-एन नेता मरियम नवाज को पंजाब की मुख्यमंत्री बनाया गया है मरियम तीन बार पूर्व प्रधानमंत्री रह चुके व पीएमएल-एन के अध्यक्ष नवाज शरीफ की बेटी हैं। 50 वर्षीय उपाध्यक्ष मरियम ने पीएमएल-एन नेता ने पीटीआई समर्थित एसआईसी के राणा आफताब को हराकर राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण पंजाब प्रांत का मुख्यमंत्री चुनाव जीता। बता दें कि पंजाब प्रांत में 120 मिलियन लोग रहते हैं। मरियम ने पंजाब विधानसभा में जाने से पहले जती उमरा में अपनी मां की कब्र का दौरा किया। सोशल मीडिया x (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए पीएमएल-एन ने बताया कि मरियम ने अपने नाना-नानी की कब्रों का भी दौरा किया। पीएमएल-एन ने चुनाव से पहले ङ्क पर एक पोस्ट में कहा हमारे देश के इतिहास में पहली बार, एक महिला पंजाब की सीएम बनेगी। मरियम नवाज शरीफ पंजाब की सीएम पद की शपथ लेने वाली पहली महिला होंगी!

चीनी कंपनी ने भारत के खुफिया दस्तावेज किए हैक

वित्त-विदेश मंत्रालय के अलावा प्रधानमंत्री कार्यालय और रिलायंस भी थे टारगेट

बीजिंग: चीन की एक साइबर सिक्योरिटी कंपनी का डेटा ऑनलाइन लीक होने से हड़कंप मच गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार चीनी साइबर सिक्योरिटी कंपनी के डेटा से पता चला है कि चीन के इस हैकर ग्रुप ने भारत सरकार के महत्वपूर्ण विभागों के खुफिया दस्तावेज हैक कर लिए हैं। इनमें प्रधानमंत्री कार्यालय से लेकर रिलायंस इंडस्ट्रीज और एयर इंडिया जैसी कंपनियां भी शामिल हैं। लीक हुए डेटा की समीक्षा की है। चीन सरकार से जुड़े हुए हैकिंग ग्रुप iSoon ने हाल ही में हजारों दस्तावेज, तस्वीरें और चैट मैसेज गिटहब पर पोस्ट किए। आई सून नाम की निजी कंपनी के इन दस्तावेजों से कई सनसनीखेज जानकारियां सामने आईं। इन दस्तावेजों के अनुसार इस कंपनी ने न सिर्फ चीनी लोगों की बल्कि कई देशों जैसे भारत, नाइजीरिया, इंडोनेशिया और ब्रिटेन की सरकारों के नेटवर्क में भी सेंध लगाया। लीक डेटा से पता चला है कि वित्त मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और प्रेजिडेंशियल मिनिस्ट्री ऑफ इंटीरियर% जैसे विभाग टारगेट पर थे। मई 2021 से अक्टूबर 2021 के बीच भारत और चीन सीमा पर तनाव चरम पर होने के दौरान प्रेजिडेंशियल मिनिस्ट्री ऑफ इंटीरियर के विभिन्न कार्यालयों से जुड़ा 5.49जीबी डेटा हैकर ग्रुप के हाथ लगा। आई-सून एक टेक कंपनी है। ये चीन के सरकारी प्रोजेक्ट के ठेके लेती है। इस हैकिंग ग्रुप के दो कर्मचारियों ने बताया कि द्वस्श्रश्ठ और चीन पुलिस ने जांच शुरू कर दी है कि आखिर ये फाइलें लीक कैसे हुईं। एक कर्मचारी ने बताया कि इस लीक मामले को लेकर 21 फरवरी को द्वस्श्रश्ठ की एक मीटिंग हुई थी। इस मीटिंग में बताया गया था कि इस घटनाक्रम से बिजनेस पर किसी तरह का असर नहीं पड़ेगा और कामकाज सामान्य तरीके से जारी रहेगा। आई-सून, एक शंघाई-आधारित कंपनी है। ये चीन को खुफिया जानकारी इकट्ठा करने, हैकिंग और दूसरी मॉनिटरिंग गतिविधियों का संचालन करने में मदद करती है। पिछले हफ्ते सॉफ्टवेयर और कोड-शेयरिंग प्लेटफॉर्म GitHub पर 190 मेगाबाइट जानकारी पोस्ट की गई थी। लीक हुए दस्तावेजों की प्रामाणिकता अभी भी जांच के दायरे में है। लीक हुए दस्तावेज़ों में 2020 से भारत के लगभग 95GB इमिग्रेशन डिटेल्स, जिसे एंट्री और एग्जिट पॉइंट डेटा के तौर पर शामिल किया गया है। खास तौर पर तब से जब 2020 में गलवान घाटी झड़प के बाद भारत-चीन संबंधों में तनाव देखा गया था। गिटहब लीक को सबसे पहले उजागर करने वाले ताइवान के शोधकर्ता अजाका ने बताया कि भारत हमेशा से चीन APT के केंद्र में रहा है।लीक हुए डेटा में अपोलो हॉस्पिटल सहित भारत के कुछ संगठन, 2020 में भारत आ रहे और जा रहे लोग, पीएमओ और जनसंख्या रिकॉर्ड शामिल हैं। गूगल क्लाउड के स्वामित्व वाले मेंडिएंट इंटेलिजेंस के चीफ एनालिस्ट जॉन हल्टक्विस्ट का कहना है कि वैश्विक और चीन के साइबर जासूसी ऑपरेशन से जुड़े हैकर्स का ये ऑथेंटिक डेटा है. हमें बहुत मुश्किल से किसी भी तरह के इंटेलिजेंस ऑपरेशन के अंदरूनी कामकाज तक पहुंच मिलती है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569